संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 153
पृष्ठ 8
शनिवार
21 फरवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- रोजाना घी लगाने से लंबे समय तक..

विचार- इमरान के लिए आगे आए सुनील...

खेल- भारत से मैच के बाद शादाब...

कृषि और मातृभाषा शिक्षा में एआई विस्तार पर पीएम मोदी ने कहा-

तकनीक का इस्तेमाल जिम्मेदारी के साथ होना चाहिए

नई दिल्ली,एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में एआई और डीप–टेक क्षेत्र से जुड़े 16 स्टार्टअप्स के सीईओ और संस्थापकों के साथ राउंडटेबल चर्चा की। इस दौरान स्टार्टअप्स ने अपने इनोवेटिव आइडियाज और चल रहे प्रोजेक्ट्स प्रस्तुत किए। प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, बैठक का फोकस भारत की जरूरतों के अनुरूप एआई आधारित समाधान विकसित करने पर था। प्रधानमंत्री ने कृषि क्षेत्र में एआई के इस्तेमाल पर खास जोर दिया। उन्होंने कहा कि फसल उत्पादकता की निगरानी, उर्वरकों के सही उपयोग और मिट्टी की सेहत बचाने में एआई अहम भूमिका निभा सकता है। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण और जलवायु जोखिम प्रबंधन के लिए जियोस्पेशियल और अंडरवॉटर इंटेलिजेंस जैसी

तकनीकों के उपयोग पर भी चर्चा हुई।

मोदी ने भारतीय भाषाओं और संस्कृति को बढ़ावा देने की जरूरत दोहराई। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा को मातृभाषा में सुलभ बनाने के लिए एआई टूल्स का दायरा बढ़ाया जाना चाहिए। उनका मानना है कि तकनीक के जरिए शिक्षा को अधिक समावेशी बनाया जा सकता है। बैठक में प्रधानमंत्री ने मजबूत डेटा गवर्नेंस की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने एआई के माध्यम से फैलने वाली गलत सूचना (मिसइन्फॉर्मेशन) के खतरे को लेकर भी आगाह किया। उन्होंने कहा कि तकनीक का इस्तेमाल जिम्मेदारी के साथ होना चाहिए। मोदी ने नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा संचालित यूपीआई मॉडल का उल्लेख करते हुए इसे सरल और स्केलेबल डिजिटल इनोवेशन का उदाहरण बताया। उन्होंने भारतीय कंपनियों पर भरोसा जताया और घरेलू उत्पादों को बढ़ावा देने की अपील की। साथ ही अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी बढ़ाने और स्टार्टअप्स में निवेशकों की बढ़ती रुचि का भी जिक्र किया।

पीएमओ के अनुसार, स्टार्टअप्स हेल्थकेयर में एडवांस डायग्नोस्टिक्स, जीन थेरेपी और मरीजों के रिकॉर्ड मैनेजमेंट में एआई का उपयोग कर रहे हैं, ताकि अंतिम छोर तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा सकें। इसके अलावा समूह में साइबर सिक्योरिटी, एथिकल एआई, स्पेस टेक्नोलॉजी, स्थानीय भाषाओं में न्याय और शिक्षा की पहुंच बढ़ाने तथा एंटरप्राइज सिस्टम्स के आधुनिकीकरण पर काम करने वाले वेंचर्स भी शामिल थे। बयान में कहा गया कि यह इकोसिस्टम स्थानीय जरूरतों को पूरा करते हुए वैश्विक नेतृत्व की दिशा में बढ़ रहा है। एआई स्टार्टअप्स ने भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता इकोसिस्टम को मजबूत करने के निरंतर प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि एआई सेक्टर तेजी से विस्तार कर रहा है और इसमें अपार संभावनाएं हैं। उनका मानना है कि वैश्विक स्तर पर एआई इनोवेशन और तैनाती का केंद्र अब तेजी से भारत की ओर शिफ्ट हो रहा है। प्रतिभागियों ने एआई Impact Summit को भी वैश्विक एआई विमर्श में भारत की बढ़ती भूमिका का प्रतीक बताया। बैठक में एब्रिड, अदालत एआई, ब्रेनसाइट एआई, क्रेडो एआई, एका केयर, ग्लीन, इनोगल, इनवीडियो, मीको, ओरिजिन, प्रोफेज, रैसन, रूबरिक, सैटस्योर, सुपरनोवा और सायफा एआई के सीईओ और संस्थापक शामिल हुए।

असम में गरजे अमित शाह

कांग्रेस ने घुसपैठियों के लिए खोल दिए थे बॉर्डर, अब एक-एक को भेजेंगे वापस

दिसपुर,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को असम में कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। शाह ने आरोप लगाया कि सत्ता में रहते हुए कांग्रेस ने बांग्लादेशी नागरिकों की भारत में घुसपैठ आसान बनाने के लिए बॉर्डर खोल दिए थे। कछार जिले के नाथनपुर इलाके में एक सभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान देश में घुसे हर अवैध बांग्लादेशी की पहचान की जाएगी और उन्हें वापस भेजा जाएगा। शाह ने आगे कहा कि कांग्रेस सरकार ने बांग्लादेशियों के लिए बॉर्डर खोलकर घुसपैठ होने दी। उन्होंने कहा, ष्मैं असम के लोगों को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि कांग्रेस के राज में जो भी अवैध रूप से देश में घुसा है, उसे वापस भेजा जाएगा। गृह

मंत्री ने विपक्षी दल पर वोट बैंक की राजनीति के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने असम जैसे सीमावर्ती राज्यों की चिंताओं को नजरअंदाज किया। शाह ने कहा कि केंद्र की बीजेपी सरकार भारत की सीमाओं की रक्षा और पूर्वोत्तर राज्यों की सांस्कृतिक पहचान बचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी बताया कि अवैध प्रवासन को रोकने और सीमा प्रबंधन को मजबूत करने के लिए पहले से ही कड़े कदम उठाए जा चुके हैं। अपनी यात्रा के दौरान शाह ने भारत–बांग्लादेश सीमा पर स्थित कछार जिले के नाथनपुर में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के दूसरे चरण का भी उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम का मकसद सीमावर्ती गांवों का तेजी से विकास करना है। इस योजना के तहत गांवों में बुनियादी ढांचा, कनेक्टिविटी और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाते हैं।

2026 का कन्हैया लाल स्मृति साहित्य सम्मान इस बार डॉक्टर राहुल शुक्ल, धीरज श्रीवास्तव, प्रो. रवि कुमार मिश्रा, अभिनव सिन्हा एवं डॉ गणेशन मिश्रा को दिया जाएगा

प्रयागराज। शहर समता विचार मंच द्वारा हर वर्ष दिया जाने वाला कन्हैया लाल स्मृति साहित्य सम्मान 2026 इस बार डॉक्टर राहुल शुक्ल को उनके नाटक 'कूड़े से करोड़पति', धीरज श्रीवास्तव को उनके गीत संग्रह 'मेरे गाँव की चिनमुनकी', प्रो. रवि कुमार मिश्रा को उनके कहानी संग्रह 'रंग को तरसती तूलिका', अभिनव सिन्हा को उनके उपन्यास 'समाज सिंघम' और डॉ गणेशन मिश्रा को उनकी आलोचनात्मक कृति 'आचार्य शुक्ल की भक्ति एवं समाज दृष्टि' के लिए एक अलंकरण समारोह में 24 फरवरी को लूकरगंज स्थित सारस्वत सभागार में एक सम्मान समारोह में दिया जाएगा। उक्त जानकारी शहर समता की साहित्यिक संयोजक रचना सक्सेना ने दी।

सीएम योगी बोले-

पहले डर से कोई निवेश नहीं करता था, सपा सरकार में नीचे से तीसरे नंबर पर था प्रदेश

लखनऊ,संवाददाता। सीएम योगी ने कहा, स्थानीय स्तर पर भी रोजगार का सृजन होना चाहिए, जिस राज्य के पास एमएसएमई का नेटवर्क होगा, वह राज्य औद्योगिक निवेश को करने में सफल हो सकता है। 2017 से पहले संभावनाएं थी, लेकिन आप लोगों की सरकार के भय के नाते कोई निवेश करने को तैयार नहीं था। 2018 में हमने वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट की शुरुआत की। आज हमारे यहां 96 लाख एमएसएमई यूनिट है। जिसका भी रजिस्ट्रेशन हुआ है, उन्हें राज्य सरकार 5 लाख रुपए का बीमा दे रही है। लोगों का विश्वास बढ़ा है। अब तक प्रदेश में 1.10 लाख युवाओं को सीएम ऋण योजना से ब्याज मुक्त और गारंटी मुक्त लोन दिया। मैं तो मंत्री जी से कहूंगा कि उन लोगों की ट्रेनिंग दी जाए। हम तो बस इतना चाहते हैं कि वह ट्रेनिंग हासिल करके अच्छा करें और फिर मूल धन वापस कर दें। पहली बार उत्तर प्रदेश ने अपना आर्थिक सर्वेक्षण

प्रस्तुत किया। वित्त मंत्री ने हमसे कहा कि करना चाहिए कि नहीं, हमने कहा कि अगर हमने काम किया है तो प्रस्तुत करना ही चाहिए। और हमने इसे प्रस्तुत किया। सरकार द्वारा निरंतर किए जाने वाले प्रयास के चलते यह सब संभव हो पाया।

9,12,696 करोड़ रुपये के इस बजट को ऐतिहासिक करार देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के इतिहास में पहली बार किसी मुख्यमंत्री को दसवां बजट प्रस्तुत करने का अवसर मिला है। उन्होंने विपक्ष द्वारा वित्तीय स्वीकृतियों पर उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए कहा कि स्वीकृतियां समय पर जारी की जाती हैं और व्यय प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है। राजकोषीय अनुशासन पर मुख्यमंत्री ने विपक्ष को आइना दिखाते हुए कहा कि वर्ष 2016–17 में राजकोषीय घाटा सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का 4.39 प्रतिशत था, जो 2025–26 में घटकर 2.97 प्रतिशत रह गया है। इसी प्रकार ऋणग्रस्तता भी लगभग 30 प्रतिशत से घटकर 26 प्रतिशत के आसपास आ गई है और 2026–27 तक इसे 23 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि 2016–17 में प्रति व्यक्ति आय लगभग 43,000 रुपये थी, जो 2024–25 के अंत तक 1,20,000 रुपये से अधिक हो चुकी है। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन उत्तर प्रदेश की आर्थिक मजबूती और विकास की गति को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2016–17 में उत्तर प्रदेश बड़े राज्यों में निचले पायदान पर था, लेकिन आज प्रदेश ने अपनी जीएसडीपी को 13 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 36 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाया है और 2026–27 में इसे 40 लाख करोड़ रुपये तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुदान की मांगों पर चर्चा का उद्देश्य विभागों को नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत से ही योजनाबद्ध तरीके से कार्य प्रारंभ करने के लिए मार्गदर्शन देना है। सभी विभाग अपनी–अपनी कार्ययोजनाओं के साथ आगे बढ़ रहे हैं जिससे बजट का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कैपिटल एक्सपेंडिचर को प्राथमिकता दी गई है। वर्ष 2016–17 में यह लगभग 71,000 करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर 1,77,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।

गुजरात पहुंचे नितिन नवीन का विपक्ष पर हमला,बोले-

पार्ट-टाइम नेताओं से सावधान रहें

गुजरात,एजेंसी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन शुक्रवार को गुजरात के तीन दिवसीय दौरे पर पहुंचे। अध्यक्ष का पद संभालने के बाद यह उनका पहला गुजरात दौरा है। अहमदाबाद पहुंचने पर उन्होंने विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। नवीन ने कहा कि चुनाव से पहले कुछ ताकतें फिर से सिर उठाने की कोशिश कर रही हैं, जिन्हें न तो देश की सुरक्षा की परवाह है और न ही

आम आदमी की। नवीन ने कहा कि चुनाव के दौरान कुछ पार्ट–टाइम नेता भी दिखाई देंगे।

प्रधानमंत्री मोदी पर राहुल गांधी का बड़ा हमला, बोले-

अदृश्य राजनीतिक दबाव में हैं प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संसद में इस्तेमाल किए गए अपने जिउ–जित्सु के उदाहरण को समझाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजनीतिक ष्पकड़ष और ष्दबावष में ष्फंसेष हुए हैं, जो जनता को दिखाई नहीं देते। ग पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए गांधी ने उदाहरण देते हुए कहा कि बहुत से लोगों ने मुझसे पूछा है कि मैंने संसद में अपने भाषण में जिउ–जित्सु का उदाहरण क्यों दिया। मैंने पकड़ और दबाव का इस्तेमाल इसलिए किया क्योंकि ये जिउ–जित्सु खेल में होते हैं और इसी तरह प्रतिद्वंद्वी को नियंत्रित किया

जाता है। उन्होंने आगे कहा कि राजनीति में भी इसी तरह के तरीके मौजूद हैं, लेकिन जनता को दिखाई नहीं देते। कांग्रेस सांसद ने कहा कि राजनीतिक पकड़ और दबाव ज्यादातर छिपे रहते हैं। आम आदमी उन्हें देख नहीं पाता। और यह देखने के लिए कि दबाव कहां लगाया जा रहा है, आपको ध्यान से देखना होगा। गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई दबावों के बीच ष्फंसेष हुए हैं। अमेरिका में अडानी मामले और एपस्टीन मामले का जिक्र करते हुए उन्होंने दावा किया कि कई भारतीय नाम उन फाइलों से जुड़े हैं जिन्हें अभी तक जारी नहीं किया गया है।

गांधी ने कहा कि एक तरफ चीन हमारी सीमा पर बैठा है, और दूसरी तरफ अमेरिका। और हमारे प्रधानमंत्री इन दोनों के बीच फंसे हुए हैं। वे फँसे हुए हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री की सार्वजनिक छवि वित्तीय समर्थन से कायम है और उस छवि पर नियंत्रण भारत के बाहर के लोगों के हाथों में है।

रोजा रखने और तरावीह पढ़ने को लेकर बच्चे उत्साहित

प्रयागराज। रमजान का पाक महीना बृहस्पतिवार से शुरू हो गया है। पहली तरावीह बुधवार को रात में पढ़ी गई। मस्जिदों में नमाजियों की भीड़ रही। इसके लिए रोजेदारों में उत्साह देखा जा रहा है। विशेषकर बच्चे रोजा रखने को लेकर उत्साहित हैं। मौलाना आदिल नदवी ने कहा कि बच्चों पर रोजा फर्ज नहीं है। यह केवल हर बालिग मर्द व औरत पर रोजा रखना अनिवार्य है। नाबालिग बच्चे अक्सर रोजा रख लेते हैं। जो कोई हर्ज की बात नहीं है। नगर पंचायत मऊआइमा के मोहल्ला कोट की जामा मस्जिद के ऊपरी मंजिल में महिलाएं तरावीह पढ़ती हैं। मौलाना आदिल नदवी ने कहा कि रोजा रखने के लिए पाक साफ होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि 12 माह में सबसे पवित्र महीना रमजान के महीने को इस्लामी ऐतबार माना जाता है।

गंदगी से पटा आनापुर बाजार, कारोबारियों में आक्रोश

प्रयागराज। आनापुर बाजार गंदगी से पटा है। इससे कारोबारियों में आक्रोश है। आनापुर ग्राम सभा में पांच हजार से ज्यादा की आबादी में एक भी सफाई कर्मचारी लगभग पांच साल से नियुक्त नहीं हुआ है। जिससे समस्या बढ़ती जा रही है। बताते चलें कि आनापुर गंगापार की सबसे पुरानी बाजार है। जहां आम ग्रामीणों की घरेलू एवं जरूरत की हर सामग्री उपलब्ध रहती है।

ग्राम प्रधान अनिल सोनी ने बताया कि पांच साल बीतने को हो गया, लेकिन सफाई कर्मचारी नियुक्त नहीं किया गया। स्थानीय कारोबारी कुल्लू सेठ, रूपेश पटेल और अनिल केसररानी ने बताया कि आनापुर बाजार, चौहान का पूरा, पटेल बस्ती, जानकी प्रसाद का पूरा, हरिजन बस्ती, छोटा पठान का पूरा आदि मोहल्ले में गंदगी ही गंदगी है। ग्राम विकास अधिकारी भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि सफाई कर्मचारी नियुक्ति के लिए पत्र भेजा गया था। जल्द ही टीम गठित कर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

डॉक्टरों ने 17 किलो का ट्यूमर निकालकर महिला की बचाई जान

प्रयागराज। बहरिया क्षेत्र स्थित दोनैया चौराहे पर रोबिल चौरिटेबल मानव सेवा संस्थान में डॉक्टरों की टीम ने एक महिला के पेट से 17 किलोग्राम का ट्यूमर सफलतापूर्वक ऑपरेशन कर निकाला। इससे महिला मरीज को नई जिंदगी मिली। ऑपरेशन के बाद 45 वर्षीय नागमती पूरी तरह स्वस्थ है।

संस्थान के निदेशक डॉ. जेके पटेल ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में इस प्रकार का यह एक महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण ऑपरेशन था, जिसे सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया। ऑपरेशन टीम में डॉ. अनुपमा रतन तथा एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. संतोष कुमार जायसवाल शामिल रहे। सफल ऑपरेशन के बाद मरीज के परिजनों ने डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन के प्रति आभार जताया।

चार महीने से परिवार गया था कमाने, बिल आया हजारों रुपये

प्रयागराज। क्षेत्र में बिजली विभाग के कर्मचारियों के बड़े कारनामे देखने को मिल रहे हैं। एक परिवार चार महीने से दिल्ली और मुंबई से कमाने गया था। जब परिवार चार माह माह बाद घर वापस आता है तो बिजली का बिल देखकर उसके होश उड़ जाते हैं। लालापुर के चकसूचेर गांव के उमाकांत शर्मा ने बताया की चार माह से उनका परिवार मुंबई गया था। जब घर वापस आया तो एक माह का बिल देखकर हैरान हो गया। जनवरी माह में 550 यूनिट का बिल बना दिया। जब उपकेंद्र के कर्मचारियों से संपर्क किया तो बिल संशोधन की बात करने लगे। उधर, महेरा के राम भवन ने बताया की बीते 25 सितंबर में उसका बिल 1750 रुपये आया। 26 फरवरी को बिल 35 हजार रुपये आ गया। जेई शिवधर यादव ने बताया की जिनका बिल गलत बना है, उनके मीटर की रीडिंग देख संशोधन किया जा रहा है।

पूरे विश्व में हैं बौद्ध दर्शन के अनुयायी: उज्ज्वल रमण

प्रयागराज। बुद्ध दर्शन के अनुयायी पूरे देश में हैं। उनके दर्शन को पूरा विश्व लोहा मानता है। भगवान बुद्ध ने जो रास्ता चुना वह चुनौती पूर्ण था लेकिन उन्होंने पूरे दुनिया में कम समय में अपने दर्शन का व्यापक प्रचार प्रचार कर भौतिकवाद और अंधविश्वास से दूर रहने का जो संदेश दिया वह अनुसरण योग्य है। यह बातें प्रयागराज के सांसद कुंवर उज्ज्वल रमण सिंह ने महुली ग्राम पंचायत में बृहस्पतिवार को आयोजित बौद्ध महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। प्रयागराज के सांसद कुंवर उज्ज्वल रमण सिंह ने कहा कि सभी लोगों को भगवान बुद्ध के बताए हुए मार्गों का अनुसरण कर आगे बढ़ना चाहिए। डॉ. सच्चिदानंद मौर्य ने भी भगवान गौतम बुद्ध के दर्शन और उनके जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस मौके पर रामकुमार कुशवाहा, सूर्यमणि कुशवाहा, मुरारी लाल मौर्य, विमल चंद्र मौर्य, रमेश प्रसाद, इंद्रमणि, अनुराग मौर्य, महेंद्र मौर्य, गोपी मौर्य आदि रहे।

पहले रोजे पर व्यंजन की खुशबुओं से महका इफ्तार का दस्तरखान

प्रयागराज। कस्बे में बृहस्पतिवार को अल-सुबह ही रोजेदारों ने सहरी के साथ रमजान मुकद्दस का आगाज हुआ। सहरी में दूध-फेनी, खजूर के साथ रोजे की नियत कर अकीदतमंदों का हुजूम मस्जिद की ओर चल पड़ा। रमजान का पहले दिन मस्जिदों में लोग खुदा की बारगाह में सिर झुकाया। रसोईघरों से पकवानों की खुशबू से वातावरण महकने लगा। पहले दिन

इफ्तार को खास बनाने के लिए महिलाओं ने जमकर तैयारी की थी। दस्तरखान पर शीर खुरमा की मिठास, बेसन के कुरकुरे-पकौड़े समेत कई प्रकार के पकवान सजाए गए। अजान की आवाज सुनते ही खजूर से रोजा इफ्तार कर खुदा का शुक्र अदा किया।

रमजान का पहला रोजा हमें आत्मसंयम और सब्र का पाठ पढ़ाता है। यह महीना सिर्फ भूखे रहने का नहीं, बल्कि अपनी जुबान व आंखों को बुराइयों से बचाने का है। खुदा इस महीने में इबादत करने वालों की हर जायज दुआ कबूल फरमाता है। – मौलाना अब्दुल कुद्दूस, खतीब व इमाम रजा जामा मस्जिद, लालगोपालगंज

यमुनापार की सबसे बड़ी सब्जी मंडी फिर भी संरक्षण और भंडारण के इंतजाम नहीं

नवीन मंडी स्थल जसरा में सरकारी उदासीनता के कारण अव्यवस्था बढ़ गई है। यहां ना तो गोदाम हैं और न ही शौचालयों की व्यवस्था। किसानों को अपनी सब्जियां रखने में कठिनाई हो रही है। बारिश के दौरान जलभराव और कीचड़ से व्यापारियों को समस्याओं का सामना करना पड़ता है। मंडी समिति की आय का सही उपयोग नहीं हो रहा है।

नवीन मंडी स्थल जसरा सरकारी उदासीनता के कारण यमुनापार की सबसे बड़ी सब्जी मंडी जसरा अव्यवस्था का शिकार होकर रह गई है। नवीन मंडी स्थल जसरा की ओर जैसे किसी की निगाह ही नहीं हैं। लगभग 52 हेक्टेयर क्षेत्रफल में विस्तारित नवीन मंडी स्थल में मात्र एक दर्जन स्थायी दुकानें एवं दो शेड बनाए गए हैं। जहां क्षेत्रीय किसान एवं आढ़तिए सब्जियों का कारोबार किया करते हैं। जसरा सब्जी मंडी से क्षेत्र के अधिकांश प्रमुख बाजारों जिनमें जसरा, गौहनिया, घूरपुर, कर्मा, जारी, नारीबारी, बारा, लोहगरा, शिवराजपुर, शंकरगढ़, खीरी, लेड़ियारी, कोरांव सहित सीमावर्ती चाकघाट, रीवा, चित्रकूट, मिर्जापुर, भदोही आदि जनपदों में हरी एवं अन्य सब्जियों की खरीद की जाती है।

इन सबके वावजूद न तो यहां सब्जियों को रखने के लिए गोदाम हैं और न ही कमरे बनाए गए हैं। संरक्षण तो दूर भंडारण तक की कोई व्यवस्था न होने से लोगों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जसरा मंडी समिति हरी सब्जियों की आपूर्ति के मामले में जनपद के सभी सब्जी मंडियों में सबसे आगे है। यहां पर दो-ढाई हजार से अधिक रजिस्टर्ड आढ़ती आढ़त लगा रहे हैं। जिनके लिए न तो समुचित गोदाम एवं कमरे हैं और न ही शेड उपलब्ध हैं। एनकेन प्रकारेण लोग बांस एवं टीन का छाजन बनाकर अपना

कारोबार कर रहे हैं। यहां से आढ़तियों एवं किसानों से अच्छी खासी राजस्व की वसूली की जाती है, लेकिन वह सरकारी खजाने तक नहीं पहुंच पाती है। जसरा सब्जी मंडी से महीने में लाखों रुपये की आय होती है, किन्तु इस आय का अधिकांश भाग कहां जा रहा है कुछ पता नहीं। शासन प्रशासन की नजर में यहां से प्राप्त होने वाली आय का ब्योरा शासन तक नहीं पहुंच पाता है। सरकार की नजर में जसरा सब्जी मंडी से इतने राजस्व की वसूली नहीं होती कि इसके विस्तार की आगे की रूपरेखा बन सके। जबकि हकीकत यह है कि जसरा मंडी स्थल से अच्छी खासी रकम की वसूली की जाती है। पिछले काफी दिनों से यह चर्चा जोरों पर है कि लगभग तीन दर्जन से अधिक पक्की स्थायी दुकानें एवं एक टीन शेड का निर्माण होना है लेकिन इसका निर्माण कार्य कब मूर्त रूप लेगा यह भविष्य के गर्त में है। नवीन मंडी स्थल जसरा में कार्यरत आढ़ती और अपनी उपज बेचने वाले किसान परेशान हो रहे हैं। वह अपनी सब्जियों को मंडी स्थल तक पहुंचा तो देते हैं, लेकिन उसको रखने के लिए उन्हें पर्याप्त जगह नहीं मिलती है। गर्मी के मौसम में तो हरी सब्जियां घंटे आध घंटे में ही सूखकर मुरझा जाती हैं। जिससे किसानों को उनके सब्जियों का उचित मूल्य नहीं मिल पाता है। अंततः औने-पौने दामों में ही किसान अपनी गाढ़ी कमाई को बेचकर वापस चला जाता है। पेयजल की व्यवस्था न शौचालय नवीन मंडी स्थल जसरा में अनेक असुविधाएं हैं। मंडी में न तो पेयजल की समुचित व्यवस्था है, न ही कैन्टीन, शौचालय, बाथरूम एवं स्नानघर की व्यवस्था है। दूसरे जिलों से आने वाले व्यापारियों के साथ ही मंडी के आढ़तियों को परेशानी उठानी पड़ती है। गेट नंबर एक के समीप चार साल पूर्व शौचालय, बाथरूम, स्नानघर का निर्माण अवश्य कराया गया है किन्तु ठेकेदार की लापरवाही के कारण आज भी आधा अधूरा रह गया है। आज तक उसका औपचारिक रूप से उद्घाटन नहीं किया गया है। शौचालय गेट पर सदैव ताला लटकता रहता है। यह शौचालय लगभग 16 लाख रुपये की लागत से बनाया गया था। इसका उद्घाटन कब और कैसे होगा, यह विभागीय अधिकारी ही बता सकते हैं। लोगों का कहना है कि इस शौचालय एवं बाथरूम की सुविधा आम लोगों को नहीं मिल पा रही है तो इसके निर्माण का क्या औचित्य है। ध्वस्त हो गई सड़क नवीन मंडी स्थल जसरा परिसर में वर्षों पूर्व बनाई गई सड़क पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। वाहनों के लगातार निकलने से वहां धूल उड़ती रहती है। साल के साथ महीने किसी तरह कट जाते हैं, लेकिन बारिश के चार पांच महीनों में मंडी परिसर पूरी तरह से कीचड़ एवं जलजमाव में परिवर्तित हो जाता है। जिससे व्यापारियों एवं किसानों को आने जाने एवं अपनी सब्जियों को बेचने में काफी मशक्कत उठानी पड़ती है। मंडी परिसर में वर्षों पूर्व बनाई गई नाली पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। जिससे बारिश के दिनों में पानी का निकास बिल्कुल नहीं हो पाता है। जिसके कारण जलभराव की स्थिति और विषम हो जाती है। बोले जिम्मेदार मंडी समिति का बंद शौचालय जल्द ही व्यवस्थित कर खोल दिया जाएगा। पूरे मंडी परिसर में लगभग पांच हैंडपंप लगाए गये हैं। कुछ आढ़ती उसको ऊपर का हिस्सा खोलकर रख लिए हैं। हैंडपंप की मरम्मत खराब होने पर समय-समय पर कराई जाती है। इन कार्यों में सभी को सहयोग करना चाहिए। -नीरज नाथ, सचिव, नवीन मंडी स्थल, जसरा

हमारी भी सुनें नवीन मंडी स्थल जसरा में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है। बरसात के महीने में पूरी सब्जी मंडी में पानी भर जाता है। जल निकासी की व्यवस्था नहीं है। हैरत की बात है कि इस पर किसी का ध्यान भी नहीं है। -मनोज कुमार कुशवाहा, आढ़ती, अमरेहा अधिकारियों की उदासीनता के कारण मंडी समिति जसरा अपनी दीनता पर आंसू बहाने को मजबूर है। मंडी में हैंडपंप न नाली और न ही एक भी शौचालय है, जिससे मंडी में आने वाले लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। इसका निराकरण होना जरूरी है। -राम अभिलाष वर्मा, आढ़ती, जसरा जसरा मंडी परिसर में रजिस्ट्रेशन कराने के बाद भी दुकान आवंटित किए बगैर टट्टर में काम चला रहे हैं। हमारे तरह सैकड़ों आढ़तियों की भी कमोवेश यही स्थिति है। सुविधा के नाम पर कुछ भी नहीं है इस मंडी में। -राजू सोनकर, आढ़ती, तातारगंज जसरा सब्जी मंडी में कुल तीन हैंडपंप लगे हुए हैं। जिसमें एक मंडी कार्यालय, दूसरा ठीक उससे दस कदम की दूरी पर लगा हुआ है। उसी के सौ मीटर की दूरी पर तीसरा हैंडपंप लगाया गया है। जिसमें एक हैंडपंप पूरी तरह से खराब पड़ा हुआ है। -सुरेश सोनकर, आढ़ती, टिकरी तालुका कंजासा मंडी परिसर में शौचालय तो दिखाने के लिए बनाया गया है लेकिन उसका ताला सदैव बन्द ही रहता है। ऐसे में किसी को अचानक जाना पड़े तो मुश्किल ही होती है। लेकिन इस पर कोई ध्यान देने वाला नहीं है। -कृष्ण कुशवाहा, आढ़ती, अमरेहा मंडी स्थल जसरा में आढ़तियों को बरसात के महीने में भारी जलालत झेलनी पड़ती है। मंडी में एक तो पानी का जलभराव दूसरा पूरा मंडी कीचड़ मंडी बन जाती है। इसका निदान जरूरी है। -कमलेश कुमार, आढ़ती, पांडर नवीन मंडी स्थल जसरा में ठेकेदार की लापरवाही से चार साल से बन रहा शौचालय पूर्ण न होने से आढ़तियों, किसानों व दूर दूर से आने वाले व्यापारियों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। प्रशासन की इस पर नजर नहीं पड़ रही है। -अजय साहू, अध्यक्ष, आढ़ती संघ सब्जी मंडी, जसरा

रेलवे में नई नौकरियों की आहट, मांगा गया खाली पदों का ब्योरा, वित्त मंत्रालय को भेजा प्रस्ताव

प्रयागराज। बोर्ड ने सभी जोनल प्रबंधकों को इसी माह अनुपालन रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। बोर्ड यह भी जांच रहा है कि वर्तमान में इन स्तरों पर बाहरी एजेंसियों (आउटसोर्सिंग) से क्या काम लिया जा रहा है।

रेलवे बोर्ड ने उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) सहित सभी जोनल कार्यालयों से लेवल-छह और सात के पदों की विस्तृत जानकारी मांगी है। वर्तमान में इन पदों को सृजित करने का प्रस्ताव वित्त मंत्रालय के पास विचाराधीन है। वहां से उसे जल्द हरी झंडी मिलने की उम्मीद है।

बोर्ड ने सभी जोनल प्रबंधकों को इसी माह अनुपालन रिपोर्ट

सौंपने का निर्देश दिया है। बोर्ड यह भी जांच रहा है कि वर्तमान में इन स्तरों पर बाहरी एजेंसियों (आउटसोर्सिंग) से क्या काम लिया जा रहा है और क्या उन्हें हटाकर स्थायी नियुक्तियों की आवश्यकता है। साथ ही, पिछले पांच वर्षों में बेड़े में शामिल हुए नए इलेक्ट्रिक इंजनों और विद्युतीय संपत्तियों के डेटा के आधार पर भी नए पदों की संख्या तय की जाएगी।

इन प्रमुख पदों पर खुलेंगे भर्ती के द्वार

लेवल-छह रू स्टेशन मास्टर, जूनियर इंजीनियर (जेई), सीनियर ट्रेन मैनेजर, कॉमर्शियल अप्रेंटिस और स्टाफ नर्स।

लेवल-सात रू सीनियर सेक्शन इंजीनियर (एसएसई), मुख्य टिकट निरीक्षक (सीटीआई), चीफ ऑफिस सुपरिटेंडेंट और सेक्शन ऑफिसर।

पांच वर्ष बाद भी तहसील की आरओ मशीन बदहाल, पेयजल की बढ़ी परेशानी

प्रयागराज। तहसील परिसर में लगी आरओ मशीन पांच वर्ष बाद भी नहीं ठीक कराई जा सकी। जिससे तहसील में पेयजल की समस्या बढ़ती ही जा रही है। अधिवक्ताओं का आरोप है कि कई बार की गई शिकायत के बाद भी आरओ मशीन की खराबी दूर नहीं की गई। जिससे समस्या जस की तस है। बता दें कि सन 2017 में तत्कालीन विधायक गिरीश चन्द्र पांडेय उर्फ गामा पाण्डेय ने तहसील परिसर में पानी की समस्या को देखते हुए आरओ मशीन को स्थापित कराया था। जिसकी क्षमता दिन भर में पांच सौ लीटर स्वच्छ पानी देने की थी, लेकिन तीन वर्ष तक सब कुछ ठीक था फिर अचानक मशीन में आई तकनीकी खराबी से पेयजल की आपूर्ति बंद हो गई। कई बार की गई शिकायत के बाद भी खराबी दूर नहीं की जा सकी। जिससे तहसील में पानी की समस्या बढ़ती ही जा रही है।

शिकायत का तहसील के अधिकारियों पर कुछ भी असर ही नहीं है। जबकि तहसील में पानी की समस्या बढ़ती ही जा रही है। स्वच्छ पेयजल देने के नाम पर स्थापित कराई गई आरओ मशीन पांच वर्ष से खराब पड़ी है। इस समस्या को प्रशासन को गंभीरता से लेना चाहिए। -जटाशंकर शुक्ला पूर्व अध्यक्ष बार एसोसिएशन मेजा।

कई बार की गई शिकायत के बाद भी आरओ मशीन को ठीक नहीं कराया जा सका है। इसकी शिकायत जिलाधिकारी से भी की जा चुकी है। समस्या गंभीर होती जा रही है। -अतुल वैभव द्विवेदी, मंत्री बार एसोसिएशन मेजा।

तहसील में पानी की समस्या विकराल होती जा रही है। पेयजल आपूर्ति के लिए स्थापित आरओ मशीन पूरी तरह से खराब हो गई है। मरम्मत के नाम पर प्रशासन लापरवाह बना हुआ है। -राजू पांडेय, अधिवक्ता

तहसील में पेयजल की आपूर्ति पूरी तरह से ध्वस्त है। आरओ मशीन को ठीक करने के लिए प्रशासन लापरवाह बना हुआ है। इसकी शिकायत जिलाधिकारी से की गई है। -देवानन्द सिंह, अध्यक्ष बार एसोसिएशन मेजा।

तकनीकी खराबी से आरओ मशीन काफी दिनों से खराब है। टेक्नीशियन को बुलाकर ठीक कराया जाएगा। तहसील में पानी की समस्या नहीं होने दी जाएगी।- सुरेंद्र प्रताप यादव, एसडीएम मेजा।

जिले में आवासीय परिसर के साथ बनेंगे दो नए अग्निशमन केंद्र

प्रयागराज। ध्रुव शंकर तिवारी ग्रामीण क्षेत्रों में आग लगने से होने वाली दुर्घटनाओं को हर संभव स्तर पर कम करने के उद्देश्य को लेकर प्रयागराज में दो नए अग्निशमन केंद्र बनाए जाएंगे। शासन स्तर से आवासीय परिसर की सुविधा से युक्त केंद्र के निर्माण के लिए पहल की गई है। इसके लिए पिछले दस दिनों से पीडब्ल्यूडी के निर्माण खंड एक की ओर से सर्वे कार्य कराया जा रहा है। नया अग्निशमन केंद्र बनाए जाने की योजना एक वर्ष से प्रस्तावित थी, जिस पर शासन ने अपनी मुहर लगा दी है। दोनों केंद्र किन ग्रामीण क्षेत्रों में बनाया जाए, उसके जरिए जल्द से जल्द किन-किन क्षेत्रों में आसानी से पहुंचकर सहायता प्रदान की जा सकती है। इन अहम बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए निर्माण खंड के अधिकारी सर्वे कर रहे हैं। दो में से एक स्थल चिह्नित कर लिया गया है जबकि दूसरे का सर्वे किया जा रहा है। पहला अग्निशमन केंद्र होलागढ़ के सराय भारत में बनाने की तैयारी की गई है। आवासीय परिसर के साथ इस केंद्र के निर्माण की अनुमानित लागत 19.57 करोड़ तय की गई है। जबकि दूसरा केंद्र हनुमानगंज में प्रस्तावित है। सहायक अभियंता धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि हनुमानगंज में उस स्थल का सर्वे किया जा रहा है। दस से पंद्रह दिनों के भीतर उसे भी चिह्नित कर लिया जाएगा। अधिकारियों की मानें तो इसी वित्तीय वर्ष में नए केंद्र के निर्माण का कार्य शुरू कराया जाएगा।

आश्वासन के सप्ताह भर बाद भी पीएचसी चिलबिला में नहीं खुला ताला

प्रयागराज। सीएचसी रामनगर के अधीक्षक की ओर से दिए गए आश्वासन के सप्ताह भर बाद भी नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिलिबिला में चिकित्सकों का बैठना शुरू नहीं हो सका। बल्कि अस्पताल में ताला ही बंद है, जिससे मरीज परेशान हैं। बता दें कि सन 1996 में सांसद सुनील दत्त ने फिल्म अभिनेत्री पत्नी नरगिस की याद में मेजा के चिलबिला में नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना कराई थी। कुछ दिन सब कुछ ठीक चला फिर चिकित्सक इस अस्पताल में बैठना ही बंद कर दिया। कई साल तो फार्मासिस्ट के सहारे अस्पताल चला। इधर, अस्पताल में चिकित्सकों के फिर न बैठने से ताला बंद हो गया। सप्ताह भर पहले अमर उजाला ने इस समस्या को प्रमुखता से उठाया था। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग हरकत में आया था। अस्पताल का निरीक्षण कर सीएचसी रामनगर के अधीक्षक डॉ. सुरेश चन्द्र यादव ने सप्ताह में दो दिन चिकित्सकों के बैठने का आश्वासन दिया था। सप्ताह भर गुजर गया लेकिन अस्पताल में ताला बंद ही है। ऐसे में मरीजों की परेशानी कम नहीं हो रही है। चिलबिला (अटखरिया) के भाजपा नेता नरेंद्र शुक्ला ने बताया कि इसकी शिकायत प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री एवं उप मुख्यमंत्री से की गई है।

माघ मेले से कुछ चिकित्सक वापस लौटेंगे। उन्हीं को नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिलबिला में बैठाने की व्यवस्था तय की गई है। जल्द ही समस्या का निराकरण हो जाएगा।- डॉ, सुरेश चन्द्र यादव, अधीक्षक सीएचसी मेजा

मन की बात कार्यक्रम की बनाई रणनीति

प्रयागराज। प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को सभी बूथों पर सुना जाएगा। इसकी तैयारी मंडल अध्यक्ष कर लें। यह बातें बृहस्पतिवार को भाजपा जिलाध्यक्ष गंगापार निर्मला पासवान ने कही। वे क्षेत्र के भीटी गांव में भाजपा मंडल शृंग्वेरपुर के मंडल महामंत्री अवधेश मिश्रा के यहां उपस्थित लोगों के बीच बोल रही थीं। मौके पर जिला मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी, राजेन्द्र केसरवानी, अवधेश मिश्रा, श्याम सुंदर दुबे, अनिल मिश्रा, रमेश गुप्ता और अरविन्द केसरवानी आदि रहे।

टेंडर प्रक्रिया में अनियमितता को लेकर मंडलायुक्त से शिकायत

प्रयागराज। टेंडर प्रक्रिया में अनियमितता को लेकर पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रमोद कुमार त्रिपाठी ने मंडलायुक्त को शिकायत की है। पत्र में आरोप लगाया है कि बुधवार को वे ब्लॉक परिसर में पूर्व में निरस्त हुए निविदा के बारे में जानकारी लेने गए थे। उनके साथ छोटे भाई विभव उपाध्यक्ष सहकारी संघ सैदाबाद व पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य भी थे। पता चला कि टेंडर की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है व फॉर्म भी खुल चुका है। उन्होंने मंडलायुक्त से टेंडर प्रक्रिया को निरस्त कराकर जांच के बाद पुनः पारदर्शी तरीके से कराने की मांग की है। मुख्य विकास अधिकारी ने फोन पर खंड विकास अधिकारी को आदेशित किया कि जब तक निकाली गई निविदा/टेंडर की जांच नहीं कर ली जाती है, तब तक किसी भी ठेकेदार को वर्क आर्डर जारी न किया जाए।

सीडीओ ने विद्यालय पहुंचकर शुरू की जांच

प्रयागराज। जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय में बीमार बच्ची की देखभाल करने के मामले में डीएम मनीष कुमार वर्मा के निर्देश पर सीडीओ हर्षिका सिंह ने जांच शुरू कर दी है। सीडीओ समाज कल्याण अधिकारी राम शंकर पटेल के साथ विद्यालय पहुंचीं और वहां बच्चों से पूछताछ की। विद्यालय में दिए जाने वाले भोजन को देखा। सीडीओ ने बताया कि विद्यालय में कुछ खामियां हैं। जिसके आधार पर रिपोर्ट तैयार करके डीएम को सौंपी जाएगी। डीएम ने अधिवक्ता ने शिकायत की है कि उनकी भतीजी विद्यालय में कक्षा छह की छात्रा है। आवासीय विद्यालय में पिछले दिनों जब वो पहुंचे तो उनकी भतीजी बीमार थी। पूछने पर प्रिंसिपल ने कहा कि उपचार कराना उनकी जिम्मेदारी नहीं है।

वन विभाग के मुकदमे के बाद गिरफ्तार हुआ मोर मारने का आरोपी
प्लास्टिक के कट्टे से मोर का शव बरामद

घ्घौमुहां। थाना छाता क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम तरौली जनूनी में राष्ट्रीय पक्षी मोर के शिकार का एक गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस और वन विभाग की संयुक्त कार्रवाई में हरियाणा के फरीदाबाद निवासी एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के कब्जे से एक मृत नर मोर बरामद हुआ है, जिसे वह प्लास्टिक के कट्टे में भरकर ले जाने की फिराक में था।

जानकारी के अनुसार, घटना 19 फरवरी 2026 की रात करीब 8रू00 बजे की है। ग्राम तरौली जनूबी के ग्रामीणों ने एक युवक को संदिग्ध अवस्था में देखा। ग्रामीणों के अनुसार, आरोपी ने डंडे से प्रहार कर पेड़ पर बैठे मोर को मार गिराया था। जब वह मृत मोर को प्लास्टिक के कट्टे में भर रहा था।

सूचना मिलते ही वन विभाग बीट प्रभारी प्रताप सिंह पुलिस टीम को लेकर मौके पर पहुंचे। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम विजेंद्र उर्फ बीरेंद्र (25 वर्ष), पुत्र ज्ञान सिंह बताया। वह डबुआ कॉलोनी, थाना डबुआ, जिला फरीदाबाद (हरियाणा) का निवासी बताया। तलाशी के दौरान उसके पास मौजूद कट्टे से मोर का शव बरामद किया गया।

डीएफओ वेंकटा श्रीकर पटेल ने बताया कि आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और वन विभाग द्वारा मोर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इस मामले में वन विभाग और पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की है। डीएफओ के निर्देशन में वन रक्षक प्रताप सिंह ने छाता कोतवाली में आरोपी के खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई है। आरोपी के चेहरे पर चोट के निशान भी मिले हैं, जिसके संबंध में उसने बताया कि भागते समय गिरने के कारण उसे ये चोटें आईं। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

गीत गायन एवं नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन

प्रयागराज। प्रयागराज स्थित यूइंग क्रिश्चियन कॉलेज , की विमेन सेल द्वारा आयोजित द्वि–दिवसीय कला एवं संगीत श्रृंखला के दूसरे दिन शुक्रवार को गीत–गायन एवं नृत्य प्रतियोगिताएँ उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुईं। कार्यक्रम में छात्राओं ने आत्मविश्वास और ऊर्जा के साथ अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

गायन प्रतियोगिता का संचालन डॉ. मंजू तिवारी, डॉ. ऋचा भार्गव, डॉ. अंकिता सिंह, डॉ. अंकिता कुशवाहा एवं डॉ. प्रतिभा पाण्डेय के निर्देशन में किया गया, जबकि नृत्य प्रतियोगिता डॉ. शारदा सुंदरम, डॉ. शिखि सहाय, डॉ. निशि सेवक, डॉ. प्रियंका वी. लाल, डॉ. प्रीति त्रिपाठी, डॉ. निमिषा अमिस्ट तथा डॉ. जूही जायसवाल के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुई।

समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में प्राचार्य प्रो. ए. एस. मोजेज़, बर्सर प्रो. जस्टिन मसीह, विमेन सेल की उपसचिव डॉ. शिखि सहाय, प्रो. शारदा सुंदरम तथा सचिव डॉ. निशि सेवक उपस्थित रहीं। इस अवसर पर डॉ. निशि सेवक ने द्वि–दिवसीय कार्यक्रमों की संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. मोजेज़ ने सभी प्रतिभागियों एवं विजेताओं को बधाई देते हुए उन्हें भविष्य

में भी सक्रिय और उत्साहपूर्वक भाग लेते रहने के लिए प्रेरित किया।

पुरस्कार वितरण सत्र में विजयी छात्राओं को मेडल एवं प्रमाण–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कविता पाठ में भावना गोयल, हस्त एवं शिल्प कला में दीक्षा यादव, वाद–विवाद में आर्या राजपूत, लिखित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में मान्या केसारवानी, गायन में आरजू तथा नृत्य में पॉल्मी चौधरी प्रथम स्थान पर रहीं। युगल श्रेणी में संस्कृति एवं आराध्या मिश्रा को सम्मानित किया गया, जबकि अनुष्का बिंदुआ, आयुषी और दिशा शुक्ला ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. अंकिता सिंह, डॉ. अंकिता कुशवाहा, डॉ. पल्लवी ग्लैडविन, डॉ. प्रतिभा यादव, डॉ. ऋचा भार्गव, डॉ. निमिषा अमिस्ट, डॉ. अक्सा खान, डॉ. प्रीति जायसवाल, डॉ. जूही जायसवाल, डॉ. मिथलेश चौहान, डॉ. ज्योति प्रधान, डॉ. अनुपमा सिंह, डॉ. अंशु सिंह, डॉ. शिवानी सिंह, डॉ. कहकशां इरफान, डॉ. विष्णुप्रिया शर्मा, डॉ. दीपशिखा, डॉ. ऐश्वर्या जायसवाल, डॉ. अर्शी नाओम, डॉ. नीलम यादव, डॉ. प्रेरणा हिगिंस, सुश्री उत्कृष्टि सिंह, डॉ. तनया कृष्ण, डॉ. प्रतिमा सिंह, डॉ. रश्मि श्रीवास्तव सहित अनेक शिक्षकों एवं सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

इस प्रकार यह द्वि–दिवसीय कला एवं संगीत श्रृंखला छात्राओं की रचनात्मक अभिव्यक्ति, सांस्कृतिक चेतना तथा आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सफल एवं प्रेरणादायी आयोजन सिद्ध हुई।

गंगानाथ झा परिसर में शिक्षक संवाद कार्यक्रम का आयोजन

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भारतीय ज्ञान परम्परा केन्द्र, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज, एवं राजेन्द्र सिंह (रज्जू भइया) स्मृति सेवा न्यास के संयुक्त तत्त्वावधान में "शिक्षक संवाद" कार्यक्रम का आयोजन परिसरीय सभागार में सम्पन्न हुआ। संवाद कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं वक्ता नागपुर से आये न्यूक्लियर रसायन के मर्मज्ञ आरएसएस के पूर्व सह–सहकार्यवाह एवं पूर्व अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख रहे तथा वर्तमान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. मनमोहन वैद्य रहे। कार्यक्रम में प्रो. राजबिहारी श्रीवास्तव, आचार्य, सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से सभी को आह्लादित किया। प्रयागराज के विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों के शिक्षकगण, अधिवक्तागण एवं प्रबुद्धजन से संवाद करते हुए उन्होंने भारत को एक आदर्श देश बनाने एवं राष्ट्र स्वाभिमान के विषय में व्यापक चर्चा की। डॉ. वैद्य ने भारत के नाम की सार्थकता से परिचित कराते हुए इंडिया की जगह भारत शब्द का प्रयोग करने की अपील की। शिक्षकों से समाज चेतना हेतु आगे आने का आह्वान करते हुए स्वयं को देश हित के लिए समर्पित रहने की अपेक्षा जताई। सारे जहाँ से अच्छा गीत का उल्लेख करते हुए उन्होंने हम सभी से

देश का निर्माण करने मे भूमिका निभाने को कहा। अपने सारगर्भित वक्तव्य में उन्होंने भारत देश को एक उद्योग प्रधान देश बताया जो कि व्यापार के कारण एक सम्पन्न देश के रूप में स्थापित था, आज उसी गर्व को पुनष्रू अनुभव करने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने की। कार्यक्रम का संयोजन परिसर के सहनिदेशक प्रो. देवदत्त सरोदे ने किया। कार्यक्रम में राजेन्द्र सिंह (रज्जू भइया) समृति न्यास की ओर से कार्यक्रम में अनेकों विद्वतजन सम्मिलित रहे। उक्त संवाद कार्यक्रम में प्रयागराज की विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के अनेकों शिक्षक सम्मिलित रहे।

परिसर के जनसम्पर्क अधिकारी राजेश कान्त तिवारी के अनुसार उक्त संवाद सत्र में प्रयागराज के विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों, आदर्शविद्यालयों के शिक्षकों ने अत्यन्त उपयोगी संवाद किया। कार्यक्रम में अनेकों शिक्षक–शिक्षिकाएँ एवं प्रबुद्धजन सम्मिलित रहे। इस अवसर पर प्रो. रामकृष्ण परमहंस, डॉ. सुरेश पाण्डेय, डॉ. श्यामसुन्दर पाण्डेय, राजेशकान्त तिवारी समेत परिसरीय अन्य अधिकारी, कर्मचारी गण तथा विभिन्न विद्यालयों से संवाद कार्यक्रम में भाग लेने आने वाले छात्र–छात्राएँ बड़ी संख्या में समुपस्थित रहे।

सीएमपी डिग्री कॉलेज में एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित

प्रयागराज। आज सीएमपी डिग्री कॉलेज के विधि विभाग में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई 29 द्वारा ष्माता–पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों का भरण पोषण तथा कल्याण अधिनियम 2007 पर एक दिवसीय कार्यक्रम कराया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री जयदीप राय अपर महाधिवक्ता मध्य प्रदेश शासन उच्चतम न्यायालय तथा प्रोफेसर राजेश कुमार गर्ग संयोजक राष्ट्रीय सेवा योजना इलाहाबाद विश्वविद्यालय तथा श्री आर पी पांडे ,अपर शासकीय अधिवक्ता इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अपने विचार रखें। सुबह पहले अधिनियम को लेकर जागरूकता कार्यक्रम किया गया उसके पश्चात संगोष्ठी का आयोजन किया गया। श्री जयदीप जी ने कहा कि भरण पोषण अधिनियम 2007 केवल कानून ही नहीं है बल्कि समाज की चेतन को जगाने का एक माध्यम है और सर ने कहा कि माता–पिता ही हमारे सबसे पहले गुरु है तथा नैतिकता के पाठ अपने बड़े बुजुर्गों से ही सीखते हैं। सामाजिक संरचना को विकसित करने में माता–पिता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और माता–पिता के ही आध्यात्मिक मूल्यों से उनके पीढ़ी आगे बढ़ती है।

सर ने भरण पोषण अधिनियम 2007 की संरचनात्मक कार्य विधि तथा इसके अंतर्गत क्या–क्या प्रक्रिया है रिलीफ पाने के लिए इस पर सर ने विस्तृत विवरण दिया।श्री जयदीप सर ने अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के दिन एवं महत्व पर प्रकाश डाला तथाकहा कि मातृभाषा ही किसी देश के सामाजिक विकास में अग्रिम भूमिका निभाता है। इस अवसर पर प्रोफेसर राजेश गर्ग सर ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व को बताते हुए कहा कि भरण पोषण अधिनियम के भारत में लागू करने के उद्देश्य पर विस्तृत प्रकाश डाला। तथा सर ने प्राचीन भारतीय समाज में माता–पिता की स्थिति को देवतुल्ल बताया तथा कहा कि उनके प्रति कर्तव्यकरना ही हमारी अंतर निहित जिम्मेदारी है। व्यक्ति को वरिष्ठ नागरिकों को प्रति संवेदनशील होना चाहिए। आर पी पांडे अपर शासकीय अधिवक्ता इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अपने विचार रखते हुए कहा कि पश्चिमी संस्कृति एवं सभ्यता के प्रभाव के कारण माता–पिता एवं वरिष्ठ जनों की घोर उपेक्षा होने लगी। इसीलिए भरण पोषण अधिनियम 2007 को भारत में अधिनियमित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ पूर्णेन्दु मिश्र तथा विधि विभाग के संयोजक डॉक्टर रमेश सिंह तथा विधि विभाग के सभी अध्यापक गणउपस्थित रहे।

पिचकारियों से पट गए राजधानी के थोक बाजार

लखनऊ, संवाददाता। होलिकोत्सव पर्व से पहले इस बार फिर से यहियागंज थोक बाजार तमाम तरह की पिचकारियों से पट गए हैं। ब्रह्मोस सरीखी मिसाइल से तबाही नहीं रंग बरसेगा। बीजेपी के हथौड़े से होरियार रंगों का वार करेंगे। होली के बाजार में कुल्हाड़ी काटेगी नहीं लोगों पर रंग बरसाएगी। मोदी पिद्दू गन है तो बिग बॉस भी है। ऐसी म्यूजिक गन जिससे पाइप खींचते ही होली के रंग के साथ गीत बजने शुरू हो जाएंगे। जितने बार पाइप खींचेंगे भरा हुआ रंग निकलेगा और होली के गीत सुखद अहसास कराएंगे। एक नहीं तमाम ऐसी वैरायटी जो आपको रुकने को मजबूर न कर दें।

वन में खिले पलाश

(छप्पय)

बहने लगी बहार, मधुर रस अंतस घोले।
छाया नवल उजास, प्रकृति की काया बोले।
सजा सुनहरा रंग, तितलियाँ चंचल दिखतीं।
वन में खिले पलाश, भोर में चिड़िया चहकीं।
सजधज कर भौरे सभी, गीत मिलन का गा रहे।
रे वसन्त! उनको बुला, दिल को जो अति भा रहे।।

खिलने लगे पलाश खेत में सरसों फूली।
अरहर के ही साथ तिलहने जमकर झूलीं।
आमों में छा बौर सुगन्धित करते जग को।
अलि भी हैं मदहोश बताते उपवन सबको।
मौसम के अनुरूप ही कलियों ने उसको लिखा।
फूलों ने हँसकर कहा पंखुरियों में जो दिखा।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

राज्य मंत्री ने राज्य स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2025–26 का किया शुभारंभ

लखनऊ, संवाददाता। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा पहली बार आयोजित राज्य स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2025–26 का शुभारंभ शुक्रवार को केडी सिंह बाबू स्टेडियम में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने फीता काटकर किया। उद्घाटन समारोह में दीप प्रज्वलन, ध्वजारोहण, मार्च पास्ट की सलामी और प्रतिभागियों के शपथ ग्रहण के साथ प्रतियोगिता की औपचारिक शुरुआत हुई। इस अवसर पर मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि विभाग का उद्देश्य कौशल प्रशिक्षण के साथ युवाओं को खेलों से जोड़कर उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में आईटीआई संस्थानों में खेल संस्कृति को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे विद्यार्थी शारीरिक रूप से सशक्त और मानसिक रूप से आत्मविश्वासी बन सकें। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीत और हार जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन निरंतर प्रयास ही सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है। प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने बताया कि पहली बार आयोजित इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदेशभर के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से 579 प्रतिभागी (271 महिला और 308 पुरुष) भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण निदेशक अभिषेक सिंह ने बताया कि तीन दिवसीय प्रतियोगिता में 100, 200 और 400 मीटर दौड़, लंबी व ऊंची कूद, शॉटपुट, बैडमिंटन, कबड्डी, वॉलीबॉल, रस्साकशी और खो–खो सहित कुल 13 खेलों में प्रतिभागी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता 22 फरवरी तक चलेगी।

प्रयागराज-हज़रत निज़ामुद्दीन विशेष रेलगाड़ी के समय में संशोधन

भारतीय रेल द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **गाड़ी संख्या 04123 प्रयागराज-हज़रत निज़ामुद्दीन विशेष रेलगाड़ी** के समय में संशोधन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 04123 प्रयागराज-मानिकपुर (द्वि-साप्ताहिक) विशेष रेलगाड़ी के समय में संशोधन

स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
प्रयागराज	15:25(बुध. एवं रवि.)	--
शंकरगढ़	16:11	16:13
डबरा	16:37	16:39
मानिकपुर	17:25	17:30
चित्रकूटधाम कर्वी	18:13	18:15
अतर्रा	18:45	18:47
बाँदा	19:25	19:30
महोबा	20:23	20:25
कुलपहाड़	20:42	20:44
हरपालपुर	22:02	22:04
मऊरानीपुर	22:24	22:26
वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी	00:50 (गुरू. एवं सोम.)	00:55 (गुरू. एवं सोम.)
ग्वालियर जं.	02:20	02:25

• **प्रयागराज जं. से** गाड़ी संख्या **04123, प्रत्येक बुधवार एवं रविवार** को दिनांक 22.02.2026 से 08.03.2026 तक।

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाईट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR **390/26(MG)**

होली विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए होली विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 01073/01074 बनारस-लोकमान्य तिलक (ट.) (द्वि-साप्ताहिक) विशेष रेलगाड़ी

01073 बनारस-लोकमान्य तिलक (ट.)			01074 लोकमान्य तिलक (ट.)-बनारस	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	12:15	लोकमान्य तिलक (ट.)	16:40	--
10:25	10:30	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	17:25	17:30
11:58	12:00	उरई	15:20	15:22
14:40	14:45	गोविंदपुरी	13:30	13:35
16:18	16:20	फतेहपुर	11:58	12:00
17:50	17:55	सूबेदारगंज	09:40	09:45
23:30	--	बनारस	--	05:45

लोकमान्य तिलक से- गाड़ी सं. **01073** (बुधवार, गुरुवार) दिनांक- **04.03.2026, 05.03.2026** तथा **बनारस से-** गाड़ी सं. **01074** (शुक्रवार, शनिवार) दिनांक- **06.03.2026** एवं **07.03.2026** **संरचना:** स्लीपर श्रेणी-09, वाता. द्वितीय श्रेणी-01, सामान्य श्रेणी-04, वाता. तृतीय श्रेणी-06

गाड़ी सं. 01481/01482 पुणे-दानापुर (द्वि-साप्ताहिक) विशेष रेलगाड़ी

01481 पुणे-दानापुर			01482 दानापुर-पुणे	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	19:55	पुणे	18:15	--
21:30	21:32	मानिकपुर	19:30	19:32
00:30	00:35	प्रयागराज छिवकी	16:25	16:30
08:00	--	दानापुर	--	10:00

पुणे से- गाड़ी सं. **01481** (सोमवार, शुक्रवार) दिनांक- **02.03.2026** एवं **06.03.2026** तथा **दानापुर से-** गाड़ी सं. **01482** (बुधवार, रविवार) दिनांक- **04.03.2026** एवं **08.03.2026** **संरचना:** स्लीपर श्रेणी-06, वाता. द्वितीय श्रेणी-01, वाता. तृतीय श्रेणी-05, सामान्य श्रेणी-04

नोट : ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in **393/26 FA**

होली विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए होली विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

रेलगाड़ी संख्या: 01143/01144 लोकमान्य तिलक ट.-दानापुर विशेष रेलगाड़ी (प्रतिदिन)

गाड़ी सं. 01143 लोकमान्य तिलक ट.-दानापुर | गाड़ी सं. 01144 दानापुर-लोकमान्य तिलक ट.

आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
---	10:30	लोकमान्य तिलक टर्मिनल	07:45	---
09:08	09:10	मानिकपुर	08:55	08:57
10:55	11:00	प्रयागराज छिवकी	05:45	05:50
18:45	---	दानापुर	---	21:30

लोकमान्य तिलक टर्मिनल से: रेलगाड़ी सं. 01143 **(प्रतिदिन)** दिनांक- 21.02.2026 से 08.03.2026, **दानापुर से:** रेलगाड़ी 01144 **(प्रतिदिन)** दिनांक- 22.02.2026 से 09.03.2026, **गाड़ी संरचना:** वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी: 01, स्लीपर श्रेणी: 09, सामान्य श्रेणी: 04, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी: 06

रेलगाड़ी संख्या: 01449/01450 पुणे-दानापुर विशेष रेलगाड़ी (प्रतिदिन)

गाड़ी सं. 01449 पुणे-दानापुर | गाड़ी सं. 01450 दानापुर-पुणे

आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
---	15:30	पुणे	18:15	---
15:48	15:50	मानिकपुर	16:45	16:47
17:45	17:50	प्रयागराज छिवकी	13:00	13:20
02:45	---	दानापुर	---	05:00

पुणे से: रेलगाड़ी सं. 01449 **(प्रतिदिन)** दिनांक- 21.02.2026 से 08.03.2026, **दानापुर से:** रेलगाड़ी 01450 **(प्रतिदिन)** दिनांक- 23.02.2026 से 10.03.2026, **गाड़ी संरचना:** वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी: 01, स्लीपर श्रेणी: 06, सामान्य श्रेणी: 04, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी: 05

नोट:- ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं0 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in **396/26(DG)**

होली विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेलयात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए होली विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 01431/01432 पुणे-गाजीपुर सिटी-पुणे विशेष रेलगाड़ी (सप्ताह में दो दिन)

01431 पुणे-गाजीपुर सिटी विशेष			01432 गाजीपुर सिटी-पुणे विशेष	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
शुक्र., मंगल.	06:40	पुणे	16:20	सोम., शुक्र.
08:03	08:05	मानिकपुर	16:25	16:27
10:20	10:25	प्रयागराज छिवकी	12:55	13:00
19:05	शनि., बुध.	गाजीपुर सिटी	रवि., गुरु.	04:20

पुणे से: गाड़ी सं. 01431, (शुक्रवार व मंगलवार), दिनांक 24, 27.02.2026 एवं 03, 06.03.2026 **गाजीपुर सिटी से:** गाड़ी सं. 01432, (रविवार व गुरुवार), दिनांक 26.02.2026 एवं 01, 05, 08.03.2026 **गाड़ी संरचना:** स्लीपर श्रेणी-06, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-05, सामान्य श्रेणी-04

गाड़ी सं. 01043/01044 लोकमान्य तिलक (ट.)-समस्तीपुर लोकमान्य तिलक (ट.) विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक)

01043 लोकमान्य तिलक (ट.)-समस्तीपुर विशेष			01044 समस्तीपुर-लोकमान्य तिलक (ट.) विशेष	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
मंगल.	12:15	लोकमान्य तिलक (ट.)	16:25	शुक्र.
08:50	08:52	मानिकपुर	17:25	17:30
11:00	11:05	प्रयागराज छिवकी	14:25	14:30
23:45	बुध.	समस्तीपुर	गुरु.	03:00

लोकमान्य तिलक (ट.) से: गाड़ी सं. 01043, (मंगलवार), दिनांक 24.02.2026 एवं 03.03.2026 **समस्तीपुर से:** गाड़ी सं. 01044, (गुरुवार), दिनांक 26.02.2026 एवं 05.03.2026 **गाड़ी संरचना:** वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-15, पेन्ट्रीकार-01 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-03, वातानुकूलित प्रथम श्रेणी -01

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in **394/26 (ADM)**

सम्पादकीय.....

क्या रहमान सरकार में सुधरेंगे भारत-बंगलादेश संबंध?

भारत के सबसे अप्रत्याशित और नए दुश्मन देश बंगलादेश में नव निर्वाचित सरकार पदारूढ़ हो गई। 17 साल बाद ब्रिटेन से स्वदेश लौट कर चुनाव में बंगलादेश नैशनलिस्ट पार्टी (बी. एन.पी.) का नेतृत्व करने वाले तारिक रहमान नए प्रधानमंत्री हैं। शपथ ग्रहण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी आमंत्रित किया गया था, पर भारत का प्रतिनिधित्व किया लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने। भारत की ओर से शुभकामना पत्र देते हुए बिरला ने तारिक को यात्रा का निमंत्रण भी दिया। अगस्त, 2024 में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार में भारत–बंगलादेश संबंधों में कटुता चरम पर दिखी। बंगलादेश में हिंदू नागरिकों, उनके धर्मस्थलों एवं घरों–व्यावसायिक ठिकानों को चुन–चुन कर निशाना बनाया गया। हत्याएं और बलात्कार की घटनाएं भी हुईं। जिस भारत के सहयोग से 1971 में पाकिस्तान के शिकंजे और दमनचक्र से मुक्त हो कर बंगलादेश स्वतंत्र देश बन पाया, उसी के विरोध ा में यूनुस सरकार चीन और पाकिस्तान के साथ दोस्ती तक चली गई। बेशक जेन–जी के विद्रोह से अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत द्वारा शरण से भी परस्पर कटुता बढ़ी, लेकिन एक दोस्त देश का दुश्मनों से हाथ मिला लेना बेहद चुनौतीपूर्ण स्थिति है, क्योंकि दोनों के बीच लंबी सीमा है। इसी कटुता के परिणामस्वरूप बंगलादेश ने पाकिस्तान के उकसावे में आ कर टी–20 वर्ल्ड कप क्रिकेट का बहिष्कार भी कर दिया। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या सत्ता परिवर्तन से भारत–बंगलादेश संबंध सुधरेंगे? बेशक तारिक रहमान ने चुनाव प्रचार के दौरान ऐसा कुछ नहीं कहा, जिससे आशंकित हुआ जाए। ज्यादातर जानकार उनके 31 सूत्रीय एजैंडा को बेहतर संबंधों की संभावना का ही संकेत मानते हैं। जमात–ए–इस्लामी पार्टी और शेख हसीना सरकार के विरुद्ध विद्रोह करने वाली जेन–जी की नैशनल सिटीजन पार्टी (एन. सी.पी.) की तरह भारत विरोधी कार्ड खेलने से तारिक ने परहेज ही किया। डिजिटल डोमेन और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर फोकस आदि के जरिए तारिक बंगलादेश को रेनबो नेशन बनाने का सपना दिखा रहे हैं, जिसमें भारत से संबंध सुधार की संभावनाएं प्रबल हो सकती हैं। तारिक मंत्रिमंडल में एक ड्क्षहदू और एक बौद्ध को भी शामिल किया गया है, लेकिन यह भी सच है कि वह जिया उर रहमान और खालिदा जिया के राजनीतिक वारिस हैं, जो भारत विरोध की ही राजनीति करते रहे। यह तो ऐतिहासिक सच है कि बंगलादेश के जनक माने जाने वाले बंगबंधु शेख मुजीब उर रहमान और उनकी बेटी शेख हसीना भारत के सबसे विश्वसनीय दोस्त रहे, जिन्हें पहले जिया उर रहमान और फिर खालिदा जिया राजनीतिक चुनौती देती रहीं। यह भी कि जिया उर रहमान और खालिदा जिया के शासन में भारत–बंगलादेश संबंध कभी भी सहज नहीं रहे। संसद के जिन चुनावों में प्रचंड जीत के जरिए तारिक रहमान ने सत्ता हासिल की है, उनमें शेख हसीना की अवामी लीग को भाग नहीं लेने दिया गया। शेख हसीना इन चुनावों को मानने को भी तैयार नहीं हैं। जाहिर है, यूनुस सरकार द्वारा शेख हसीना के प्रत्यर्पण का आग्रह तारिक सरकार भी दोहराएगी। लगभग डेढ़ साल से भारत में रह रहीं शेख हसीना के प्रत्यर्पण का फैसला निश्चय ही भारत के लिए आसान नहीं होगा, क्योंकि उनके तख्तापलट के पीछे अन्य देशों की भूमिकाओं की चर्चा भी आम रही है। ऐसे में दोनों परिवारों की परंपरागत कटुता के अलावा वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में भी तारिक सरकार के लिए शेख हसीना के प्रत्यर्पण का मुद्दा गरमाए रखना अनुकूल साबित होगा। तारिक के पास अपने पिता जिया और मां खालिदा जैसा राजनीतिक अनुभव नहीं है, पर विदेश प्रवास के चलते देश के लिए नए सपने हो सकते हैं। उनकी अनुभवहीनता के चलते भारत विरोधी चीन और पाकिस्तान भी उन पर अपनी पकड़ मजबूत करना चाहेंगे। ऐसे में यह देखना बेहद महत्वपूर्ण होगा कि परंपरागत घरेलू राजनीति के चक्रव्यूह में फंसने की बजाय तारिक देश के बेहतर भविष्य की राह पर चलने का साहस जुटा पाते हैं या नहीं। इतिहास भी बताता है कि पाकिस्तान की तरह बंगलादेश में भी 'भारत विरोध ा' तमाम समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए सरकारों का आजमाया हुआ नुस्खा रहा है।

इमरान के लिए आगे आए सुनील, कपिल

क्रिकेट को भद्रजनों का खेल क्यों कहा जाता है, यह बात 14 पूर्व कप्तानों ने साबित कर दिखाई है। पूर्व प्रधानमंत्री और

क्रिकेटर इमरान खान के स्वास्थ्य को लेकर पांच देशों के 14 पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कप्तानों ने पाकिस्तानी सरकार को पत्र लिखा है। इन पूर्व कप्तानों ने पाकिस्तान की सरकार से मांग की है कि इमरान खान के साथ अच्छा व्यवहार किया जाए और उनका बेहतर तरीके से इलाज कराया जाए। अच्छी बात ये है कि इस पत्र के हस्ताक्षरकर्ताओं में सुनील गावस्कर और कपिल देव भी हैं, और साथ में सौरव गांगुली ने भी इमरान खान के लिए चिंता जाहिर की है। वर्ना बीते कुछ वक्त से भारत और पाकिस्तान के बीच मैच का भी ऐसा राजनीतिकरण किया गया है जिसे देखकर अफसोस होता है। दोनों देशों के बीच दुश्मनी का फायदा हमेशा से राजनेताओं को होता रहा है, इसलिए इसे खत्म करने की जगह बढ़ाया जाता रहा है। लेकिन यह देखकर दुख होता है कि जनता कितने जल्दी झांसे में आ जाती है। पुलवामा, पहलगाम हमले के बाद दोनों देशों के बीच जो सामान्य शिष्टाचार के तहत बात होती थी, वह भी बंद है। लेकिन भारत–पाक के मैच में सट्टेबाजी और विज्ञापनों से होने वाली कमाई को दोनों देश नहीं खोना चाहते, इसलिए जानी दुश्मनी दिखाने के बावजूद मैच खेले जा रहे हैं। उस पर तुर्रा यह कि क्रिकेट खिलाड़ी मैदान में एक–दूसरे से हाथ नहीं मिलाएंगे। खिलाड़ी अगर ये कहें कि हम मैच फीस नहीं लेंगे, तब तो उनकी देशभक्ति समझ आए, लेकिन कमाई भी करेंगे और खेल भावना का परिचय भी नहीं देंगे, यह कैसा दोहरा चरित्र है। बहरहाल, नए दौर के खिलाड़ियों ने खेल भावना न दिखाकर जितना निराश किया है, पुराने दौर के दिग्गज खिलाड़ियों ने उससे कहीं ज्यादा उम्मीद से भर दिया है। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर और कपिल देव, ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एलन बॉर्डर, स्टीव वॉ, ईयान चौपल, किम ह्यूज और ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान बेलिंडा क्लार्क, इंग्लैंड के माइक अथर्टन, नासिर हुसैन, माइक ब्रेयरली और डेविड गॉवर, वेस्ट इंडीज के क्लाइव लॉयड और न्यूजीलैंड के जॉन राइट ने पाकिस्तान की सरकार को अपने हस्ताक्षर के साथ पत्र भेजा है, जिसमें कहा गया है कि श्हम अपने–अपने देशों की राष्ट्रीय क्रिकेट टीमों के पूर्व कप्तान हैं और इमरान खान के साथ हुए कथित व्यवहार और जेल के हालात को लेकर गहरी चिंता व्यक्त करते हैं। इमरान खान पाकिस्तान के पूर्व कप्तान होने के साथ–साथ विश्व क्रिकेट के एक दिग्गज खिलाड़ी भी हैं। कप्तान के रूप में उन्होंने 1992 क्रिकेट वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को ऐतिहासिक जीत दिलाई। एक ऐसी जीत जो कौशल, दृढ़ता, नेतृत्व और खिलाड़ियों वाली भावना पर आधारित थी और जिसने पीढ़ियों को प्रेरित किया। हममें से कई लोगों ने उनके खिलाफ खेला, उनके साथ मैदान साझा किया, या फिर उनकी ऑलराउंड क्षमता, व्यक्तित्व और प्रतिस्पर्धी जज्बे की वजह से उन्हें अपना आदर्श माना। वह आज भी दुनिया के सबसे बेहतरीन ऑलराउंडरों और कप्तानों में गिने जाते हैं, जिन्हें खिलाड़ी, प्रशंसक और प्रशासक सभी सम्मान देते हैं। क्रिकेट के अलावा इमरान खान ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के रूप में भी काम किया। राजनीतिक नजरिए से अलग उन्हें अपने देश के सबसे ऊंचे पद पर लोकतांत्रिक तरीके से चुने जाने का सम्मान मिला है। पत्र में आगे उनकी सेहत को लेकर गंभीर चिंता जताई गई है, और खासकर हिरासत में रहते हुए उनकी नजर तेजी से खराब होने की बात कही गई है। इस पत्र में लिखा है, शक्रिकेटर होने के नाते हम निष्पक्षता, सम्मान और खेल भावना के उन मूल्यों को समझते हैं जो मैदान की सीमाओं से आगे जाते हैं। हम मानते हैं कि इमरान खान जैसी शख्सियत के साथ गरिमा और बुनियादी मानवीय संवेदनाओं के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए। इस पत्र में शाहबाज सरकार से तीन मांगें की गई हैं। पहली मांग इमरान खान की इच्छा के मुताबिकध योग्य विशेषज्ञ डॉक्टरों से उनका तुरंत और लगातार इलाज कराया जाए। दूसरी मांग, अंतरराष्ट्रीय मानकों के हिसाब से जेल के मानवीय और सम्मानजनक हालात बनाए जाएं, जिनमें परिवार के सदस्यों से नियमित मुलाकात शामिल हो। तीसरी मांग, बिना किसी देरी या बाधा के निष्पक्ष और पारदर्शी कानूनी प्रक्रिया तक उनकी पहुंच सुनिश्चित की जाए। पत्र में लिखा है कि, शक्रिकेट हमेशा से देशों के बीच पुल का काम करता रहा है। मैदान की प्रतिद्वंद्विता स्टंप्स उखड़ने के साथ खत्म हो जाती है और सम्मान बना रहता है। इमरान खान ने अपने पूरे कॅरियर में इसी भावना को जिया। हम अधिकारियों से आग्रह करते हैं कि वे आज भी मर्यादा और न्याय के उन्हीं सिद्धांतों को निभाएं। यह अपील बिना किसी कानूनी प्रक्रिया में हस्तक्षेप के पूरी खेलभावना और मानवता के आधार पर की जा रही है। शाहबाज सरकार को अगर अपनी वैश्विक छवि की जरा भी चिंता होगी तो वह इस पत्र में लिखी बातों का सम्मान करेगी। वर्ना अपने राजनैतिक प्रतिद्वंद्वी से कैसा अमानवीय व्यवहार किया जाता है, इसकी कई मिसालें पाकिस्तान पहले भी पेश कर चुका है। हालांकि अफसोस की बात है कि पत्र के हस्ताक्षरकर्ताओं में पाकिस्तान के एक भी पूर्व खिलाड़ी का नाम नहीं है। विदित है कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और देश को एकमात्र विश्वकप दिलाने वाले क्रिकेट खिलाड़ी इमरान खान पाकिस्तान की अडियाला जेल में बंद हैं। उन पर अलग–अलग मामलों में कुल 31 साल की सजा हुई है। पाकिस्तान में सेना और आईएसआई के खिलाफ जाने वाले राजनेताओं का जो बुरा हश्र होता रहा है, इमरान खान उसी की एक मिसाल हैं। खेल से हासिल अपनी लोकप्रियता को उन्होंने राजनीति के मैदान में भुनाना चाहा और इसमें उन्हें सफलता भी मिली। लेकिन खेल की तरह राजनीति की रणनीतियां नहीं होती हैं, लिहाजा इमरान खान जितनी जल्दी प्रध ाानमंत्री पद तक पहुंचे, उतनी ही तेजी से उनका बतौर राजनेता पतन हुआ। अब हालत ये है कि इमरान खान को एकाकी कैदी बनाकर रखा गया और काफी दिनों तक उनकी कोई खोज–खबर नहीं रही। बीच में कई खबरें ऐसी आईं जिनमें उनकी जान पर खतरा बताया गया। इस बीच पाकिस्तान में उनकी बहन अलीमा खानम ने भी इमरान समर्थकों के साथ मोर्चा खोला, तब जाकर उनकी तबियत पर खबरें बाहर आईं। पता चला कि उनकी दाईं आंख में सिर्फ 15 प्रतिशत रोशनी ही बची है। हालांकि गृह मंत्री मोहसिन नकवी दावा कर रहे हैं कि इमरान खान को बिल्कुल अच्छे से रखा जा रहा है और उनके इलाज में देरी उनकी बहन की वजह से हुई है।

बहरहाल, सरकार ने फैसला लिया है कि इमरान खान को उनकी आंखों के इलाज के लिए एक स्पेशल मेडिकल इंस्टीट्यूशन में शिफ्ट किया जाएगा। इसकी एक विस्तृत रिपोर्ट भी सुप्रीम कोर्ट को सौंपी जाएगी। अब देखना होगा कि पाक सरकार इमरान खान के साथ आगे क्या सलूक करती है।

पंजाब कांग्रेस की 'नई एकजुटता, अब नजरें 2027 पर

रविंदर सिंह रॉबिन

पंजाब की राजनीति के उतार–चढ़ाव भरे अखाड़े में, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने दबाव

के बीच एकजुट होने की कला में महारत हासिल कर ली है, ठीक उसी तरह, जैसे कोई परिवार तूफान के दौरान एक साथ खड़ा हो जाता है। यह शाश्वत गाथा एक बार फिर 16 फरवरी, 2026 को सामने आई, जब पंजाब कांग्रेस के प्रमुख नेता रणनीतिक 'डिनर मीटिंग' के लिए चंडीगढ़ में प्रताप सिंह बाजवा के आवास पर एकत्रित हुए। पंजाब विधानसभा में वर्तमान विपक्ष के नेता बाजवा द्वारा आयोजित इस सभा ने 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले एकजुटता का एक शक्तिशाली संकेत दिया। बाजवा, जो अप्रैल, 2022 से विपक्ष के नेता का पद संभाल रहे एक अनुभवी राजनीतिज्ञ हैं, ने हालिया अंतर्कलह के बीच मतभेदों को सुलझाने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया। उपस्थित लोगों में पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़्क्षडग, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, और सुखजिंदर सिंह रंधावा, भारत भूषण आशू, गुरजीत सिंह औजला, सुखजिंदर सिंह सरकारिया, ओम प्रकाश सोनी और जसबीर सिंह ड्क्षडपा जैसे कई दिग्गज शामिल थे। यह बैठक पार्टी के ऐतिहासिक पैटर्न को दोहराती है– जब दाव ऊंचे होते हैं, तो आंतरिक प्रतिद्वंद्विता एकजुटता में बदल जाती है। यदि 2024 के लोकसभा चुनावों पर नजर डालें, जहां पंजाब की 13 संसदीय सीटों पर कड़ा मुकाबला था, तो टिकट बंटवारे के दौरान कांग्रेस के दावेदारों में तीखी झड़प हुई थी। लेकिन एक बार जब हाईकमान ने उम्मीदवारों को अंतिम रूप दे दिया, तो वे एकजुट हो गए और 7 सीटें हासिल कीं, जो कि सबसे अधिक संख्या थी। आम आदमी पार्टी (आप) को 3, शिरोमणि अकाली दल (शिअद) को 1 और निर्दलीयों को 2 सीटें मिलीं, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का खाता भी नहीं खुला। यह जीत 2017 के विधानसभा चुनावों की याद दिलाती है, जब कैप्टन अमरिंदर सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस ने 117 में से 77 सीटों पर जीत हासिल कर सरकार बनाई थी। कैप्टन अमरिंदर सिंह, जो कांग्रेस से 2 बार पंजाब के मुख्यमंत्री (2002–07 और 2017–21) रहे, उन्होंने नवजोत सिद्धू के साथ विवाद और खुद को दरकिनार किए जाने के बाद सितम्बर 2021 में पार्टी छोड़ दी थी। उन्होंने अक्तूबर 2021 में पंजाब लोक कांग्रेस बनाई, 2022 के चुनावों के लिए भाजपा के साथ गठबंध ान किया और फिर 19 सितम्बर, 2022 को अपनी पार्टी का भाजपा में विलय कर दिया और आधि ाकारिक तौर पर उसमें शामिल हो गए।'डिनर डिप्लोमेसी' (भोज की राजनीति) भारतीय राजनीति में एक समय–परीक्षित रणनीति है, जो सार्वजनिक चकाचौंध से दूर गठबंधन बनाने और दरारों को भरने के लिए सांझा भोजन की आत्मीयता का लाभ उठाती है। चरणजीत सिंह चन्नी और सुखजिंदर सिंह रंधावा जैसे आलोचकों को पंजाबी व्यंजनों–जैसे कि 'मक्खन वाला सरसों का साग और मक्की की रोटी' पर आमंत्रित करके, इस कार्यक्रम ने एकजुटता का एक ऐसा नैरेटिव बुना, जो गुटबाजी की धारणाओं को चुनौती देता है। यह नेताओं के मानवीय पक्ष को सामने लाकर काम करता है, जिससे 'ऑफ द रिकॉर्ड' बातचीत के जरिए अहंकार को सुलझाने और रणनीति बनाने में मदद मिलती है, जबकि लीक हुई तस्वीरें या बयान मीडिया में 'सब ठीक है' की कहानी को पुख्ता करते हैं, जिससे कार्यकर्त्ताओं का मनोबल और मतदाताओं का विश्वास बढ़ता है। भोज के दौरान छनकर आई बातों ने माहौल को और भी खुशनुमा बना दिया– हल्की– फुल्की गपशप हुई, जैसे वड़्क्षडग के अंदाज पर चुटकुले और चन्नी द्वारा विपक्ष की सीट को लेकर किया गया मजाक। यह सब अच्छे हंसी–मजाक में हुआ, जिससे पुराने तनाव को कम करने में मदद मिली। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई, लेकिन ऐसी दोस्ताना बातचीत दिखाती है कि कैसे एक साधारण भोजन झगड़ों को दोस्ती में बदल सकता है और पार्टी की भविष्य की लड़ाइयों के लिए एकजुटता की एक मजबूत कहानी लिख सकता है। आज, 2022 में चुनी गई पंजाब विधानसभा में, कांग्रेस 16 सीटों के साथ आधिकारिक विपक्ष है, जबकि 'आप' के पास 94 सीटों का भारी बहुमत है। प्रताप सिंह बाजवा के आवास पर एकजुटता का हालिया प्रदर्शन किसी भी सत्ता–विरोधी लहर का लाभ उठाने के पार्टी के संकल्प को दर्शाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि जैसे–जैसे 2027 के विधानसभा चुनाव नजदीक आएंगे, यह नई एकजुटता अंतर को पाटने और 'आप' के गढ़ को कड़ी चुनौती देने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

जैसा कि बाजवा की डिनर डिप्लोमेसी रेखांकित करती है, जब 'दबाव बढ़ता है, तो पंजाब कांग्रेस घड़ी की सूइयों की तरह एक साथ खड़ी हो जाती है। अब सभी की निगाहें 2027 पर टिकी हैं, जहां यह एकजुटता सत्ता में विजयी वापसी की पटकथा लिख सकती है और राज्य के राजनीतिक सिंहासन पर फिर से दावा कर सकती है।

आने वाला वर्ष यह परीक्षण करेगा कि क्या कांग्रेस आंतरिक एकजुटता को चुनावी गति में बदल पाती है और पंजाब की राजनीति में अपना ऐतिहासिक प्रभाव वापस पा सकती है?

क्या राहुल गांधी 'विशेषाधिकार की भावना' से ग्रस्त हैं?

बलबीर पुंज

समय कई बार ऐसी चौंकाने वाली समानताएं हमारे सामने रख देता है, जो राजनीतिक–जीवन को नए तरीके से समझने का अवसर देती हैं। आज की उथल–पुथल भरी वैश्विक राजनीति में 2 ऐसे व्यक्तित्व–अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और देश के

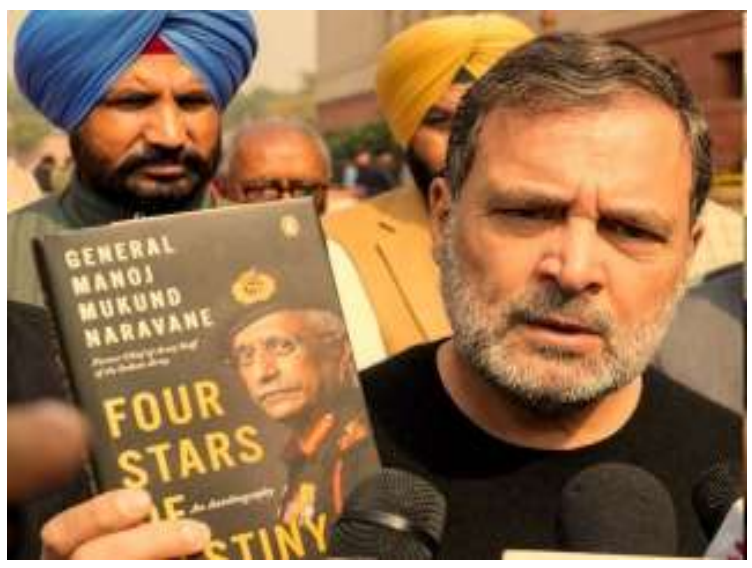

नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी–दुनिया के अलग–अलग हिस्सों में सक्रिय होने के बावजूद दोनों का बदलते भारत को देखने का दृष्टिकोण लगभग एक जैसा है। यह इसलिए भी ज्यादा हैरान करने वाला है, क्योंकि ट्रम्प विदेशी हैं और राहुल भारत के शीर्ष नेताओं में एक। दोनों ही उस नए भारत से असहज हैं, जो अपनी जड़ों से जुड़कर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए बिना किसी हीनभावना के दुनिया से अपनी शर्तों पर आत्मविश्वास के साथ संवाद कर रहा है। एक ओर ट्रम्प के रूप में वह दृष्टिकोण है, जो केवल लेन–देन पर आधारित है और वैश्विक व्यवस्था में अपनी धमक बरकरार रखने के लिए प्रयासरत है, वहीं राहुल एक ऐसे राजनीतिक वंश का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसने स्वतंत्र भारत की सत्ता को अपनी विरासत मानकर पश्चिमी स्वीकृति को ही कूटनीतिक सफलता का पर्याय समझा है। लोकतंत्र में आलोचना स्वाभाविक है। लेकिन यह चिंताजनक तब हो जाता है, जब देश का कोई प्रमुख नेता बाहरी पूर्वाग्रहों को अंतिम सत्य मानकर उसे दोहराने लगता है। राहुल द्वारा ट्रम्प के 'मृत अर्थव्यवस्था' कथन का समर्थन, मोदी सरकार की आलोचना नहीं, बल्कि औपनिवेशिक मानसिकता का उदाहरण है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत–पाकिस्तान युद्धविराम में अमरीकी मध्यस्थता के ट्रम्प के दावे को लेकर उन्होंने प्रधानमंत्री पर 'नरेंद्र–सरेंडर' जैसी टिप्पणी कर दी, जबकि भारत किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से साफ इंकार कर चुका था, जिसकी पाकिस्तान भी गवाही देता है। निःसंदेह, सशक्त विपक्ष के बिना लोकतंत्र अधूरा है। लेकिन अपने ही देश के खिलाफ बाहरी आरोपों को प्रामाणिक मानकर पेश करना खतरनाक प्रवृत्ति है। भारत इसी परतंत्र मानसिकता के कारण शताब्दियों तक विदेशी आक्रांताओं के अधीन रहा था। बात राहुल के वक्तव्यों तक भी सीमित नहीं है। वह संसद जैसी गंभीर संस्था को अपने आचरण से कई बार उपहास का विषय बना चुके हैं। हाल ही में लोकसभा में उन्हें जनरल (सेवानिवृत्त) मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित आत्मकथा से उद्धरण देने, जो न तो सार्वजनिक है और न ही रक्षा मंत्रालय द्वारा स्वीकृत, से संसदीय नियमों के तहत रोका गया। उन्होंने संसदीय परंपराओं का सम्मान करने की बजाय इसे संसदीय कार्रवाई में व्यवधान डालने का मुद्दा बना लिया। बार–बार के स्थगन, लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव और योजनाबद्ध टकराव को लोकतांत्रिक प्रतिरोध का नाम दिया गया। इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने यह भी खुलासा किया कि संसद में चर्चा के समय प्रधानमंत्री के खिलाफ कोई अप्रिय हरकत करने की कोशिश की जा रही थी। राहुल की यह 'अराजक' शैली नई नहीं है। 2018 में लोकसभा में प्रधानमंत्री को जबरन गले लगाने के बाद अपने सहयोगियों को आंख मारने की घटना आज भी जेहन में ताजा है। नाटकीयता गंभीर राजनीति का पर्याय नहीं हो सकती, वह संस्थागत गरिमा को आहत करती है। संसद परिसर में केंद्रीय मंत्री का जबरन हाथ पकड़कर संयुक्त प्रैस वार्ता का प्रयास भी इसी मानसिकता का विस्तार था। जाने–अनजाने में राहुल देश–विरोधियों के हाथों में भी खेलने लगते हैं। सितम्बर 2024 की अमरीका यात्रा के दौरान उन्होंने दावा किया कि भारत में सिख समुदाय की पहचान खतरे में है। इस बयान को खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने अपने एजैंडे के समर्थन में तुरंत लपक लिया। इससे पहले वर्ष 2023 में राहुल द्वारा ब्रिटेन यात्रा के दौरान दिए गए वक्तव्यों का आशय था कि 'भारत में लोकतंत्र समाप्त हो चुका है' और उसे बचाने के लिए 'पश्चिमी हस्तक्षेप' अपेक्षित है। अक्सर, विदेशों में दिए गए ऐसे वक्तव्य घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं रहते और वे भविष्य में देश के शत्रुओं के प्रचार–तंत्र का हथियार बन जाते हैं। राहुल इस तरह का व्यवहार क्यों करते हैं? क्या इसलिए कि वे 'विशेषाधिकार की भावना' से ग्रस्त हैं? क्या वह मानते हैं कि केवल उन्हें ही अपने मुताबिक 'लोक' (जनमानस) और 'तंत्र' (मीडिया–न्यायालय सहित) चलाने का 'दैवीय अधिकार' है? असल में उनका यह चिंतन न तो 2014 में मोदी सरकार के आने के बाद पनपा है और न ही यह भाजपा–आर.एस.एस. तक सीमित है।

वाराणसी ' में काम को लेकर प्रियंका चोपड़ा जोनस ने की एस. एस. राजामौली की जमकर सराहना

एस. एस. राजामौली भारतीय सिनेमा के सबसे दूरदर्शी और प्रभावशाली फिल्ममेकर्स में से एक हैं, जिन्हें स्क्रीन पर बड़े पैमाने की फिल्में बनाने और ब्लॉकबस्टर देने के लिए जाना जाता है। यह मास्टर स्टोरीटेलर अब अपनी अगली बड़ी एक्शन–एडवेंचर फिल्म, वाराणसी की तैयारी कर रहे हैं, जिसमें महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा जोनास और पृथ्वीराज सुकुमारन नजर आएंगे। इस कास्ट की वजह से यह देश के सबसे प्रतीक्षित प्रोजेक्ट्स में से एक बन गया है। वाराणसी को लेकर उत्साह बढ़ता जा रहा है, खासकर तब जब हाल ही में प्रियंका चोपड़ा जोनास ने डायरेक्टर एस. एस. राजामौली के साथ काम करने पर बात की और इस फिल्म को अपने लिए करियर डिफाइनिंग यानी करियर को नई दिशा देने वाली फिल्म बताया। एक ताजा इंटरव्यू में प्रियंका ने फिल्ममेकर की जमकर तारीफ की। प्रोजेक्ट और राजामौली के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, "फिल्ममेकर का नाम एस. एस. राजामौली सर है और वह भारत के बेहतरीन निर्देशकों में से एक हैं। मुझे लगता है कि उनकी यह फिल्म मेरे लिए करियर–डिफाइनिंग होने वाली है और मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूँ।" एस.एस. राजामौली को इंडियन सिनेमा के सबसे दूरदर्शी फिल्ममेकर्स में गिना जाता है। उन्होंने अपनी बड़ी कहानियों और ग्रैंड स्केल की फिल्मों से हमेशा कुछ नया करके दिखाया है। आरआरआर की ग्लोबल कामयाबी के बाद, उनके अगले प्रोजेक्ट से उम्मीदें अब आसमान छू रही हैं। वाराणसी एक दमदार स्टारकास्ट के साथ आ रही है। फिल्म में महेश बाबू

> वाराणसी एक दमदार स्टारकास्ट के साथ आ रही है। फिल्म में महेश बाबू ताकतवर विलेन 'रुद्र' के रोल में नजर आएंगे, प्रियंका चोपड़ा जोनस 'मंदाकिनी' के मजबूत और कमांडिंग किरदार में दिखेंगी, वहीं पृथ्वीराज सुकुमारन 'कुंभा' के इंटेंस अवतार में दिखाई देंगे।

ताकतवर विलेन 'रुद्र' के रोल में नजर आएंगे, प्रियंका चोपड़ा जोनस 'मंदाकिनी' के मजबूत और कमांडिंग किरदार में दिखेंगी, वहीं पृथ्वीराज सुकुमारन 'कुंभा' के इंटेंस अवतार में दिखाई देंगे। प्राचीन और आध्यात्मिक शहर की पृष्ठभूमि पर बनी यह एक्शन–एडवेंचर फिल्म पारंपरिक भावनाओं को मॉडर्न कहानी के साथ जोड़ने वाली है। अब तक सामने आई झलकियों के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह है और यह भव्य सिनेमाई अनुभव 7 अप्रैल 2027 को बड़े स्तर पर सिनेमाघरों में रिलीज होगा।

नीना की समझ से परे है प्यार, 50 की उम्र में शादी करने के सवाल पर बोलीं–समाज में रहना है तो कुछ नियम

बॉलीवुड एक्ट्रेस नीना गुप्ता अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ–साथ पर्सनल जिंदगी को लेकर भी काफी चर्चा में रही हैं। एक्ट्रेस ने 50 साल की उम्र में चार्टर्ड अकाउंटेंट विवेक मेहरा से शादी करके सबको चौंका दिया था। इससे पहले उन्होंने सिंगल मदर के तौर पर बेटी मसाबा गुप्ता की परवरिश की। एक्ट्रेस अक्सर ही अपनी पर्सनल लाइफ के किस्से फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। वहीं, हाल ही में नीना ने बताया कि जिंदगी का बड़ा हिस्सा अकेले बिताने के बाद उन्होंने अचानक शादी क्यों की। हाल ही में शुभांकर मिश्रा के एक पॉडकास्ट में जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने प्यार में शादी की थी तो नीना ने साफ कहा कि उन्हें प्यार–व्यार ज्यादा समझ नहीं आता है। उन्हें सिर्फ अपने बच्चे से प्यार समझ आता है। बाकी चीजों को वो उस नजर से नहीं देखती है। उन्होंने ये भी कहा कि इस टॉपिक पर वो आगे चलकर एक और किताब लिख सकती हैं क्योंकि ये सवाल आसान नहीं है। अगर प्यार नहीं था तो शादी क्यों की, यह पूछे जाने पर नीना ने कहा जरूरत थी बहुत। उनका मानना है कि समाज में रहना है तो उसके कुछ नियम मानने पड़ते हैं। ये बात उन्होंने अपनी गलतियों से सीखी है। एक्ट्रेस ने ये भी खुलासा किया कि जब वो कहीं बाहर जाती थीं तो लोग उन्हें अजीब नजर से देखते थे, लेकिन शादी के बाद वही नजरें बदल गई है। उन्होंने कहा कि ये बात बोलना अच्छा नहीं लगता है लेकिन सच यही है कि शादी कर लो तो सब ठीक हो जाता है। बता दें, नीना गुप्ता ने वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर विवियन रिचर्ड्स से बेटी मसाबा गुप्ता का स्वागत किया था।

दूसरे बेटे की एआई तस्वीरें वायरल होने पर भड़कीं कॉमेडियन भारती सिंह, कहा–उसका चेहरा तभी दिखेगा, जब हम चाहेंगे

विंटेज रेड गाउन में ग्लैमरस लुक से करीना कपूर ने चुराया सबका दिल, कातिलाना तस्वीरों पर आ जाएगा दिल

एक्ट्रेस करीना कपूर अपने लुक से फैंस को इम्प्रेस करना अच्छे से जानती हैं। कोई इवेंट हो या कैजुअल आउटिंग, करीना हमेशा अपने लुक को ऑन द टॉप रखती हैं। वहीं, हाल ही में एक्ट्रेस ने मुंबई में आयोजित 'द ऑनर्स' रेड कार्पेट इवेंट के लिए बेहद ग्लैमरस लुक कैरी किया, जिसकी तस्वीरें शेयर कर उन्होंने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया। करीना की इन तस्वीरों पर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं। करीना कपूर के इस लुक को रिया कपूर ने स्टाइल किया है। उन्होंने करीना के लिए 1987 के विंटेज कलेक्शन से प्रेरित रेड पीएम गाउन चुना। यह फुल–लेंथ गाउन एक्ट्रेस की पर्सनालिटी के साथ पूरी तरह मेल खा रहा है। गाउन

में स्ट्रैपलेस स्वीटहार्ट नेकलाइन और प्लंजिंग कट है, जो उनके लुक में एलिगेंस और बोल्डनेस तड़का लगा रहा है। बस्ट एरिया पर प्लीटेड क्रिस–क्रॉस डिटेलिंग ने डिजाइन को खास बना दिया। कॉर्सेटेड बॉडीस और स्ट्रक्चर्ड बोनिंग ने उनकी फिटनेस और कर्व्स को खूबसूरती से उभारा। ड्रेस की फिटिंग इतनी सटीक है कि वह उन पर बिल्कुल परफेक्ट लग रही हैं। फ्रंट में दिया गया थाई–हाई स्लिट आउटफिट में ग्लैमरस टच जोड़ रहा है। इस आउटफिट के साथ करीना ने रूबी और डायमंड जड़ा हुआ एक खूबसूरत चोकर पहना। हाथ में बड़ी डायमंड रिंग ने उनके लुक में रॉयल फिनिश एड की। फेदर्ड ब्रोज, म्यूट पिंक स्मोकी आईशैडो, हल्का रूज ब्लश और हाईलाइटर उनके चेहरे को ग्लोइंग बना रही है। ग्लॉसी वाइन रेड लिप्स ने पूरे लुक को परफेक्ट बैलेंस दिया। विंग्ड आईलाइनर और मस्कारा से सजी पलकें उनकी आंखों की खूबसूरती को और निखार रही है। हेयरस्टाइल को उन्होंने स्लीक और क्लासिक रखा गया। बालों को सिल्की स्ट्रेट रखते हुए सेंटर पार्टिंग में खुला छोड़ा है। यानी ओवरऑल लुक में करीना बेहद ही कातिलाना लग रही हैं और फैंस का दिल जीत रही हैं। तस्वीरों में एक्ट्रेस कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज दे रही हैं।

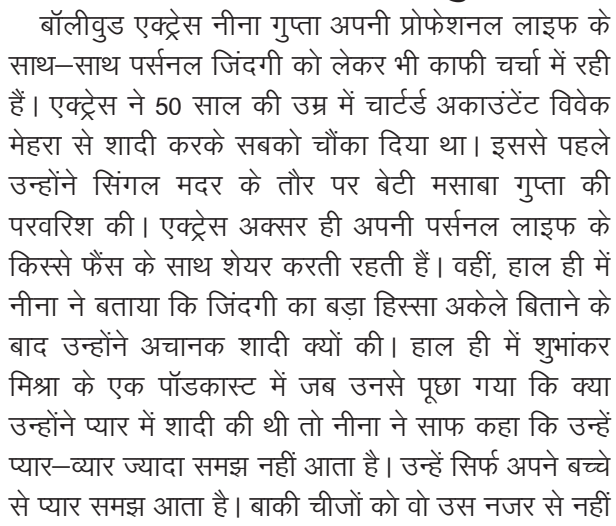

शिल्पा शेट्टी के पति और बिजनेसमैन राज कुंद्रा को मिली जमानत

बिजनेसमैन राज कुंद्रा को मुंबई की एक कोर्ट ने बिटकॉइन स्कैम केस में जमानत दे दी। जमानत के बाद राज कुंद्रा को काफी खुश देख गया। जमानत मिलने के बाद राज ने मीडिया से बातचीत नहीं। वह अपने वकील के साथ आगे बढ़ गए। एएनआई के मुताबिक राज कुंद्रा को शुक्रवार को मुंबई की एक स्पेशल कोर्ट ने बिटकॉइन स्कैम से जुड़े कथित मामले में बेल दी है। शुक्रवार को राज कुंद्रा को इस मामले के लिए कोर्ट में देखा गया। राज कुंद्रा पर धन शोध न निवारण अधिनियम (च्तमअमदजपवद वि डवदमल स्ंनदकमतपदह ।बज) के तहत एक केस दर्ज हुआ था। पहले स्पेशल कोर्ट ने मौजूदा सबूतों को देखते हुए कहा था कि राज कुंद्रा पर कार्रवाई की जा सकती है। इसी मामले में उनके खिलाफ एक समन भी जारी किया गया था। यह मामला बिटकॉइन स्कैम से जुड़ा है। स्पेशल कोर्ट (च्डस।) के जज आर बी रोटे ने जनवरी माह में इस मामले में एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट द्वारा दायर चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। इसके बाद राज कुंद्रा को समन जारी किया था। राज कुंद्रा कोर्ट में पेश हुए और बेल की अर्जी दी, जिसे कोर्ट ने मान लिया। राज कुंद्रा के वकील प्रशांत पाटिल ने कहा कि उनके क्लाइंट ने 2021 से ईडी की जांच में पूरा सहयोग किया है। वकील ने कहा कि इस मामले से जुड़े सभी डॉक्यूमेंट्स पहले से ही जांच एजेंसी के पास थे। ऐसे में राजकुंद्रा को कस्टडी में रखने की जरूरत नहीं थी। केंद्रीय जांच एजेंसी ने आरोप लगाया है कि राज कुंद्रा ने यूक्रेन में बिटकॉइन माइनिंग फर्म बनाने के लिए गेन बिटकॉइन पोंजी स्कैम के कथित मास्टरमाइंड अमित भारद्वाज से 285 बिटकॉइन लिए थे। ईडी ने दावा किया कि डील पूरी नहीं हुई। ऐसे में राज कुंद्रा के पास अभी भी 285 बिटकॉइन हैं, जिनकी कीमत अभी 150 करोड़ रुपये से ज्यादा है।

मनोरंजन जगत से सामने आई बुरी खबर, लास्ट एक्शन हीरो टॉम नूनन का 74 की उम्र में निधन

सिनेमा जगत से एक दुखद खबर सामने आई है। हॉलीवुड के दिग्गज एक्ट्रेस और निर्देशक टॉम नूनन का 74 वर्ष की आयु में निधन हो गया। जानकारी के अनुसार उन्होंने 14 फरवरी को अंतिम सांस ली। उनके निधन से अंतरराष्ट्रीय फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर है। एंटरटेनमेंट डेस्क. सिनेमा जगत से एक दुखद खबर सामने आई है। हॉलीवुड के दिग्गज एक्ट्रेस और निर्देशक टॉम नूनन का 74 वर्ष की आयु में निधन हो गया। जानकारी के अनुसार उन्होंने 14 फरवरी को अंतिम सांस ली। उनके निधन से अंतरराष्ट्रीय फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर है। टॉम नूनन के निधन की पुष्टि उनकी करीबी दोस्त और को एक्ट्रेस झंतमद पससें ने सोशल मीडिया के जरिए की। उन्होंने भावुक पोस्ट साझा करते हुए बताया कि टॉम ने वैलेंटाइन डे के दिन इस दुनिया को अलविदा कहा। उन्होंने यह भी लिखा कि 90 के दशक की शुरुआत में ऑफ–ब्रॉडवे Iys What Happened Was... में उनके साथ काम करना उनके करियर का अहम मोड़ साबित हुआ। कैरेन ने अपने संदेश में टॉम को एक बेहतरीन कलाकार और सच्चा दोस्त बताया। उन्होंने कहा कि आज भी उनके अभिनय और सोच का प्रभाव उनके काम में झलकता है। बता दें, टॉम नूनन उन कलाकारों में गिने जाते थे, जिन्होंने अपने लंबे करियर में विविध और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाकर अलग पहचान बनाई। उन्होंने हॉलीवुड की चर्चित फिल्मों रेंज ।बजपवद भ्मतव और त्वइवब्वच 2 में दमदार भूमिकाएं निभाईं। खास तौर पर 'रोबोकॉप 2' में उनका निभाया गया रोबोकेन का किरदार दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय हुआ और आज भी याद किया जाता है। टॉम नूनन ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 1980 में आई फिल्म विल–पिल से की थी। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों और टीवी प्रोजेक्ट्स में काम किया। वह सिर्फ एक एक्टर ही नहीं, बल्कि लेखक और निर्देशक के रूप में भी सक्रिय रहे। उनके काम में गहराई और संवेदनशीलता साफ झलकती थी, जिस वजह से वे इंडस्ट्री में सम्मानित नाम बन गए।

उलझे और फ्रिजी बालों के लिए बरदान साबित होंगे ये 3 हेयर मास्क, जानें बनाने का तरीका

फ्रिजी बाल हमारी खूबसूरती को खराब करते है और बालों का हेयर स्टाइल नहीं बन पाता है। बेजान और रुखे बालो को संभालना काफी मुश्किल हो जाता है। फ्रिजी बाल होने के मुख्य कारण प्रोटीन की कमी, गलत केमिकल्स का इस्तेमाल, हेयर स्टाइलिंग टूल्स का ज्यादा इस्तेमाल या बालों की देखभाल में कमी। इन सभी कारणों से हमारे बालों का सारा पोषण खत्म हो जाता है। बालों की ठीक करने के लिए, स्मूदनिंग, कंडीशनिंग या हेयर मास्क का इस्तेमाल किया जाता है। आज इस आर्टिकल में हम आपकों 3 ऐसे हेयर मास्क के बारे में बताने जा रहे है, जो बालों के पोषण के लिए सबसे बेस्ट हैं। इन्हें बनाने का तरीका बहुत आसान है और आप इसे आसानी से घर पर तैयार कर सकत हैं।

नारियल तेल और एलोवेरा जेल हेयर मास्क

फ्रिजी बालों के लिए यह हेयर मास्क कारगर साबित होगा। इसे बनाने के लिए आप इन सामग्रियों का इस्तेमाल सकते है।

सामग्री

– नारियल तेल
– अदरक का रस
– एलेवेरा जेल
– शहद
– दही

विधि

– फ्रिजी बालों के लिए हेयर मास्क बनाने की विधि यह है–

–यह हेयर मास्क बालों को थिकनेस देने में मदद करता है और उन्हें चमकदार बनाते हैं। इस आप हर हफ्ते में एक बार लगाने से बेहतर रिजल्ट मिलता है।

– सबसे पहले आप एक कटोरे में 2 चम्मच नारियल तेल निकालें।

– फिर इस मिश्रण में 1 चम्मच अदरक का रस, 2 चम्मच एलोवेरा जेल और 1 चम्मच शहद डालें और अच्छे से मिला लें।

– अब इसे बालों पर अच्छे से लगाएं, धीरे–धीरे मालिश करें ताकि यह बालों में अच्छे तरह से समा जाए।

– यह मास्क बालों में 30 मिनट तक लगाएं और बाद में इसे पानी से अच्छे से धो लें और फिर शैम्पू और कंडीशनर का इस्तेमाल करें।

शहद और दही का हेयर मास्क

सामग्री

– 2 चम्मच नारियल तेल
– 1 चम्मच शहद
– 1 चम्मच दही

विधि

– इसके लिए आप एक कटोरे में नारियल तेल, शहद और दही को अच्छे से मिलाएं।

– हेयर वॉश करने से पहले इस मास्क को बालों पर लगाएं।

– बालों को हल्के हाथों से मसाज करें ताकि मास्क अच्छे से बालों में फैल जाए।

– बालों में मास्क लगाने के बाद गरम तौलिए से अपने बालों को कवर कर लें। इससे मास्क का प्रभाव काफी बढ़ता है।

– 30–40 मिनट बाद बालों को ठंडे पानी से अच्छे से धो लें।

– बाल धोने के बाद हेयर्स को ब्लोड्राई करें और इस मास्क का प्रयोग हफ्ते में 2 या तीन बार करें।

अंडे और ऑलिव ऑयल हेयर मास्क

सामग्री

– ऑलिव ऑयल
– अंडा

विधि

– एक बड़े चम्मच में ऑलिव ऑयल को कटोरी में डालें।

– अब इसमें एक अंडा को तोड़कर उसमें मिलाएं।

– इस मास्क को बालों में लगाएं और 30 मिनट के लिए लगाएं।

– इसके बाद बालों का पानी से अच्छे से धो ले।

– यह हेयर मास्क बालों को मुलायम बनाता है और यह फ्रिजी बालों को खत्म कर देता है।

रोजाना घी लगाने से लंबे समय तक जवां बनी रहेगी स्किन, फेस पर आएगा गजब का ग्लो

हेल्दी और खूबसूरत स्किन पाने के लिए स्किन केयर का ख्याल रखना बेहद जरूरी होता है। क्योंकि मौसम बदलने के साथ ही स्किन टेक्सचर भी बदलने लगता है। सर्दियों के मौसम में स्किन केयर का खास ख्याल रखना जरूरी होता है।

सर्दियों के मौसम में त्वचा की ड्राइनेस बढ़ जाती है। जिसके कारण स्किन खुरदरी होती है। वहीं त्वचा को पोषण देना बेहद जरूरी होता है। वहीं सर्दियों के मौसम में फेस पर घी अप्लाई करने से कई फायदे होते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको फेस पर घी लगाने के तरीके और फायदे के बारे में बताने जा रहे हैं।

खुदरी त्वचा पर इन चीजों का करें इस्तेमाल

गाय का घी

शहद

चेहरे पर शहद लगाने के फायदे

शहद चेहरे को नैचुरली एक्सफोलिएट करता है।

यह फेस में मौजूद पोर्स को साफ करता है।

फेस की स्किन को मुलायम रखने में शहद काफी सहायक होता है।

फेस पर घी लगाने के फायदे

फेस पर घी लगाने और मसाज करने से ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है। जिसकी वजह से त्वचा लंबे समय तक जवां बनी रहती है।

घी लगाने से फेस का नेचुरल ग्लो बरकरार रहता है।

साथ ही यह सही पोषण देकर स्किन को मॉइस्चराइज करने का काम करता है।

खुदरी त्वचा के लिए घरेलु नुस्खे

सबसे पहले घी को हल्का गुनगुना कर लें।

फिर ठंडा होने पर इसमें आधा चम्मच शहद मिलाएं।

शहद और घी को अच्छे से मिक्स कर फेस पर अप्लाई करें।

इसको 20 मिनट तक फेस पर लगा रहने दें और फिर कॉटन और पानी की मदद से चेहरे को साफ कर लें।

इस नुस्खे को रात के समय अपनाना चाहिए।

फेस पर घी और शहद लगाने से आपको कुछ ही दिनों के अंदर बदलाव नजर आने लगेगा।

बहुत से लोग मोटे होने के डर से चावल नहीं खाते। अकसर यह सवाल मन में उठता है कि क्या सच में चावल खाने से वजन बढ़ता है? डॉक्टरों की मानें तो वजन बढ़ने का कारण सिर्फ चावल नहीं, बल्कि कुल कैलोरी और लाइफस्टाइल है। अगर आप हेल्दी वजन बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं, तो चावल एक बहुत अच्छा साथी हो सकता है। इसमें कैलोरी ज़्यादा होती है, यह पचने में आसान होता है, और प्रोटीन, सब्जियों और हेल्दी फैट के साथ अच्छी तरह से मिल जाता है, जिससे यह बैलेंस्ड, हाई–एनर्जी मील के लिए एक मजबूत बेस बन जाता है।

क्या चावल वजन बढ़ाते हैं?

चावल खुद से वजन नहीं बढ़ाते, बल्कि कितनी मात्रा में, किस तरीके से, किसके साथ खाए जा रहे हैं यह ज्यादा मायने रखता है। चावल में कार्बोहाइड्रेट होता है, जो शरीर को ऊर्जा देता है। लेकिन अगर जरूरत से ज्यादा खाया जाए और शारीरिक गतिविधि कम हो, तो अतिरिक्त कैलोरी फैट में बदल सकती है।

इस तरीके से चावल खाने से नहीं बढ़ता वजन

मात्रा कंट्रोल करें: एक बार में 1 छोटी कटोरी (लगभग 100,150 ग्राम पके हुए चावल) काफी है। प्लेट का आधा हिस्सा सब्जियों से भरें।

सफेद चावल की जगह ब्राउन या हाथ कुटा चावल: ब्राउन राइस में फाइबर ज्यादा होता है, जिससे पेट देर तक भरा रहता है और ओवरईटिंग नहीं होती।

चावल को ठंडा करके खाएं: पके हुए चावल को ठंडा करने पर उसमें "रेजिस्टेंट स्टार्च" बनता है, जो कम कैलोरी अवशोषित करता है और शुगर धीरे बढ़ाता है।

प्रोटीन के साथ खाएं: सिर्फ चावल नहीं दाल, राजमा, चना, पनीर, दही इनके साथ खाने से ब्लड शुगर तेजी से नहीं बढ़ता और वजन कंट्रोल में रहता है।

रात में कम मात्रा: अगर वजन घटाना चाहते हैं तो रात में कम मात्रा में या दिन के समय चावल खाना बेहतर है।

तला हुआ चावल अवॉइड करें: फ्राइड राइस, पुलाव में ज्यादा तेल, बिरयानी ये कैलोरी बढ़ाते हैं। साधारण उबले या हल्के मसाले वाले चावल बेहतर हैं।

क्या डायटिंग में चावल बिल्कुल बंद कर दें?

अगर आप रोज 1,2 कटोरी नियंत्रित मात्रा में खाते हैं और साथ में वॉक या एक्सरसाइज करते हैं, तो चावल नुकसान नहीं करेगा। कम खाएं, सही तरीके से खाएं, नियमित चलें।

बच्चेदानी रिमूव करवाने से हो सकते हैं ये नुकसान, जानिए कब पड़ सकती है इसकी जरूरत

महिला के शरीर की बनावट ही ऐसी होती है कि प्राइवेट पार्ट में इंफेक्शन या अन्य किसी गुप्त रोग का खतरा बना रहता है। बहुत सी महिलाओं को लगता है कि प्राइवेट पार्ट की समस्या की वजह बच्चेदानी हैं। वहीं बच्चे पैदा करने के बाद बच्चेदानी की कोई समस्या ना हो जाए इसलिए इसे पहले ही बाहर निकलवाने का चलन बढ़ सा गया है। इसे मेडिकल भाषा में हिस्टरेक्टॉमी कहते हैं लेकिन क्या ऐसा करना सही है? एक्सपर्ट्स की मानें तो बच्चेदानी या गर्भाशय निकालना, किसी भी महिला के लिए सुरक्षित नहीं है। इसे तब ही निकलवाना सही रहता है, जब महिला पहले से ही कैंसर या किसी और जानलेवा बीमारी की शिकार हो क्योंकि अगर आप बच्चेदानी रिमूव करवाते हैं तो इसके कई तरह के साइड इफेक्ट्स भी सामने आ सकते हैं।

प्राइवेट पार्ट को हो सकता है नुकसान

अगर बच्चेदानी को प्राइवेट पार्ट (वैजाइना) के द्वारा निकाला जा रहा है तो कई तरह की हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं। वैजाइना महिला के शरीर का बहुत ही संवेदनशील अंग है। इसकी मांसपेशियां और टिशूज बहुत ही ज्यादा नाजुक होते हैं। अगर सर्जन थोड़ी सी भी लापरवाही करता है तो प्राइवेट पार्ट को नुकसान पहुंच सकता है।

हो सकती है खून की कमी

बच्चेदानी निकालने की प्रक्रिया काफी लंबी होती है, जिसके कारण कई महिलाएं को बहुत ज्यादा खून बह जाता है। इससे जल्दी रिकवरी नहीं हो पाती है। इससे आप एनीमिया का भी शिकार हो सकते हैं। कई मामले ऐसे सामने आते हैं, जिसमें ब्लड क्लॉटिंग के कारण लंग्स और दिल के लिए खतरनाक होता है।

अंदरुनी अंगों को भी लग सकती है चोट

कई बार सर्जरी के दौरान आसपास के अंदरुनी अंगों में चोट लग जाती है। इसके आसपास आंते, पेल्विक, हड्डियां, ओवरी, फैलोपियन ट्यूब होती है। इसके कारण कई बार खतरनाक साबित हो सकती है।

समय से पहले हो सकता है मेनोपॉज

बच्चेदानी को निकालने की स्थिति में ज्यादातर महिलाओं में समय से पहले मेनोपॉज की स्थिति आ जाती है, जो कि महिला की हेल्थ के लिए बहुत ही खतरनाक हो सकता है।

कब जरूरी होता है बच्चेदानी निकलवाना

फाइब्रॉइड

इसमें बच्चेदानी के आसपास गांठें हो जाती हैं। इनके कारण पीरियड्स के दौरान बहुत ज्यादा ब्लीडिंग और दर्द होता है। इससे ब्लेडर पर भी दबाव रहता है और बार–बार टॉयलेट जाना होता है। फाइब्रॉइड आकार में बड़े हों तो सर्जरी जरूरी हो जाती है।

एंडोमेट्रिओसिस

बच्चेदानी के आसपास की लाइनिंग ज्यादा फैल जाने पर ये ओवरीज, फेलोपियन ट्यूब और दूसरे अंगों पर असर डालने लगती है। इस कंडीशन को एंडोमेट्रिओसिस कहते हैं। इस तकलीफ से जूझ रहे मरीज की रोबोटिक हिस्टरेक्टॉमी की जाती है और यूट्रस निकाला जाता है।

कैंसर

यूट्रस, सर्विक्स, ओवरीज का कैंसर होने या ऐसी गांठें होने पर जो आगे चलकर कैंसर में बदल सकती हैं, हिस्टरेक्टॉमी जरूरी हो जाती है।

यूटेराइन ब्लीडिंग

पीरियड्स के दौरान कई महिलाओं को बहुत ज्यादा ब्लीडिंग होती है जो दवाओं से किसी भी तरह कंट्रोल नहीं होती है। ऐसे में एनीमिया और दूसरी तकलीफों का खतरा बढ़ जाता है, तब बच्चेदानी निकलवाना ही आखिरी ऑप्शन होता है।

नहीं कर पाएंगी कंसीव

वैसे तो ये बात ज्यादातर महिलाओं को पता ही होती है, लेकिन अगर आप नहीं जानती हैं तो आपको बता दें बच्चेदानी हटाने से आप बच्चा कंसीव नहीं कर पाएंगी। अगर आप बच्चेदानी हटाने के बाद कंसीव करने के बारे में सोच रहे हैं, तो इस धारणा को अपने मन से पूरी तरह से निकाल लें। बच्चेदानी यानी गर्भाशय हटाने के बाद महिलाएं कंसीव नहीं कर सकती हैं।

संक्षिप्त

निर्यात बढ़ाने के लिए सरकार के सात कदम, ई–कॉमर्स निर्यातकों को सस्ते कर्ज के साथ मदद भी

नई दिल्ली,एजेंसी। सरकार ने देश के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सात नई पहल की घोषणा की है, जिनमें ई–कॉमर्स निर्यातकों के लिए क्रेडिट सहायता और वैकल्पिक व्यापार वित्त साधनों को समर्थन शामिल है। ये कदम 25,060 करोड़ रुपये के निर्यात प्रोत्साहन मिशन के तहत उठाए गए हैं, जिसके 10 घटकों में से तीन को पहले ही जनवरी में लागू किया जा चुका है।

सरकार की घोषित सात प्रमुख पहलें इस प्रकार हैं–

डायरेक्ट ई–कॉमर्स क्रेडिट फैसिलिटी– ई–कॉमर्स निर्यातकों को 50 लाख रुपये तक कर्ज सहायता, 90प्रतिशत गारंटी कवरेज के साथ।

ओवरसीज इन्वेंट्री क्रेडिट फैसिलिटी– विदेश में स्टॉक रखने के लिए 5 करोड़ रुपये तक सहायता, 75प्रतिशत गारंटी और 2.75प्रतिशत ब्याज सब्सिडी।

एक्सपोर्ट फैक्टरिंग पर ब्याज सब्सिडी– एमएसएमई के लिए सस्ती कार्यशील पूंजी हेतु फैक्टरिंग लागत पर 2.75प्रतिशत ब्याज सहायता (सीमा 50 लाख रुपये सालाना)।

उच्च जोखिमध्नए बाजारों के लिए ट्रेड फाइनेंस सपोर्ट– लेटर ऑफ क्रेडिट कन्फर्मेशन और नेगोशिएशन जैसे क्रेडिट एन्हांसमेंट साधनों को समर्थन।

TRACE (ट्रेड रेगुलेशन्स, एक्रेडिटेशन एंड कम्प्लायंस एनेबलमेंट)– अंतरराष्ट्रीय टेस्टिंग, सर्टिफिकेशन और अनुपालन खर्च पर 60प्रतिशत से 75प्रतिशत तक प्रतिपूर्ति (सीमा 25 लाख रुपये प्रति IEC)।

FLOW (लॉजिस्टिक्स, ओवरसीज वेयरहाउसिंग एंड फुलफिलमेंट)– विदेशी वेयरहाउसिंग, ई–कॉमर्स एक्सपोर्ट हब और ग्लोबल वितरण नेटवर्क तक पहुंच के लिए परियोजना लागत का 30प्रतिशत तक समर्थन।

LIFT और INSIGHT सपोर्ट– दूरदराज/पहाड़ी क्षेत्रों के निर्यातकों को फ्रेट पर 30प्रतिशत तक सहायता और ट्रेड इंटेलिजेंस व फैसिलिटेशन परियोजनाओं के लिए 50प्रतिशत तक वित्तीय सहयोग। सरकार का कहना है कि इन समन्वित वित्तीय और पारिस्थितिकी तंत्र आधारित उपायों के माध्यम से पूंजी लागत में कमी, व्यापार वित्त के विकल्पों का विस्तार, अनुपालन क्षमता में सुधार, लॉजिस्टिक्स बाधाओं का समाधान और एमएसएमई के लिए वैश्विक बाजारों में बेहतर एकीकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

टेन्सर चिप डेटा चोरी मामले में बड़ा खुलासा, आरोप में कंपनी की पूर्व इंजीनियर समेत तीन पर केस दर्ज

नई दिल्ली,एजेंसी। अमेरिका में गूगल के इन–हाउस टेन्सर प्रोसेसर से जुड़े कथित ट्रेड सीक्रेट चोरी मामले में एक पूर्व गूगल इंजीनियर, उसके पति और बहन पर गंभीर आपराधिक आरोप लगाए गए हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, 41 वर्षीय समानेह घंदाली, जो ईरानी नागरिक हैं, सिलिकॉन वैली में गूगल में हार्डवेयर इंजीनियर के रूप में कार्य कर चुकी हैं। उनकी 32 वर्षीय बहन सोरूर घंदाली भी कंपनी में इंटर्न रह चुकी थीं। बाद में दोनों ने एक अन्य टेक कंपनी जॉइन कर ली थी। मामले में समानेह के पति मोहम्मदजवाद खोस्रवी (40) का नाम भी शामिल है, जिन्होंने कई बार गूगल में नौकरी के लिए आवेदन किया था लेकिन चयन नहीं हुआ और बाद में एक अलग तकनीकी कंपनी में काम करने लगे। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, यह मामला गूगल के गोपनीय हार्डवेयर डेटा से जुड़ा है, जो कंपनी के पिक्सेल स्मार्टफोन्स में इस्तेमाल होने वाले इन–हाउस टेन्सर प्रोसेसर से संबंधित है। आरोप है कि तकनीकी क्षेत्र में काम करने या नौकरी की तलाश के दौरान संवेदनशील और गोपनीय जानकारी को अवैध रूप से हासिल किया गया। यह केस कैलिफोर्निया के नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट स्थित अमेरिकी जिला अदालत में दर्ज किया गया है। तीनों आरोपियों पर साजिश, ट्रेड सीक्रेट चोरी और सबूत नष्ट करने सहित कुल 14 संगीन आपराधिक धाराओं में आरोप तय किए गए हैं। तीनों को 19 फरवरी को गिरफ्तार किया गया और सैन जोस की संघीय अदालत में पेश किया गया। दोषी पाए जाने पर उन्हें अधिकतम 20 साल तक की सजा हो सकती है। गूगल ने इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि घटना का पता चलते ही कंपनी ने तुरंत कदम उठाए और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सूचित किया। कंपनी के प्रवक्ता के अनुसार, गोपनीय सूचनाओं की सुरक्षा के लिए सुरक्षा उपायों को और मजबूत किया गया है। गौरतलब है कि पिछले महीने भी गूगल के पूर्व सॉफ्टवेयर इंजीनियर लिनवेई डिंग, जिन्हें लियोन डिंग के नाम से भी जाना जाता है, को आर्थिक जासूसी और ट्रेड सीक्रेट चोरी के मामले में दोषी ठहराया गया था। उन पर आरोप था कि उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक से जुड़े गूगल के हजारों पन्नों के गोपनीय दस्तावेज चुराकर चीन के हित में इस्तेमाल किए। यह फैसला नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट ऑफ कैलिफोर्निया के यूएस डिस्ट्रिक्ट जज विंस छाब्रिया की अदालत में 11 दिन की सुनवाई के बाद आया था।

भारत से मैच के बाद शादाब के बयान से ससुर सकलैन मुश्ताक खफा, जताई नाराजगी

करांची,एजेंसी। भारत के खिलाफ टी20 विश्वकप 2026 मैच में हार के बाद पाकिस्तान टीम में सबकुछ सही नहीं चल रहा है। पूर्व क्रिकेटर्स जहां मौजूदा टीम की आलोचना करने में लगे हैं, वहीं मौजूदा क्रिकेटर्स ये कह रहे हैं कि सिर्फ हम क्यों पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर्स भी तो भारत के खिलाफ कभी विश्व कप मैच नहीं जीत पाए। अब इस मामले में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भी दखल दिया है। दरअसल, पाकिस्तान के ऑलराउंडर शादाब खान ने हाल ही में शाहिद अफरीदी और मोहम्मद यूसुफ जैसे पूर्व क्रिकेटरों पर निशाना साधा था। इस के बाद शादाब ने नामीबिया के खिलाफ मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में दोनों पूर्व क्रिकेटरों पर तंज कसा था, जिससे क्रिकेट जगत में हलचल मच गई। अब पीसीबी ने शादाब को उनके हालिया बयान पर कड़ी चेतावनी दी है। साथ ही शादाब के ससुर और पूर्व दिग्गज स्पिनर सकलैन मुश्ताक भी शादाब के बयान से नाखुश हैं।

कोलंबो में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान ने नामीबिया को 102 रन से हराया। इस मैच में शादाब ने 22 गेंदों पर 36 रन बनाए और तीन विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन मैच के बाद दिए गए बयान ने विवाद खड़ा कर दिया। प्रेस वार्ता में शादाब ने आलोचना का जवाब देते हुए कहा, श्पूर्व क्रिकेटरों की अपनी राय होती है। वे दिग्गज थे, लेकिन वे भी वह हासिल नहीं कर पाए जो हमने किया। हमने विश्व कप में भारत को हराया है।श शादाब यहां 2021 टी20 विश्वकप में भारत को हराने की बात कर रहे थे। यही एकमात्र विश्वकप मैच है, जिसमें भारत पाकिस्तान से हारा है। इसके अलावा पाकिस्तान ने हमेशा भारत से मुंह की खाई है। वनडे विश्वकप में पाकिस्तान भारत से आठ बार हारा है, जबकि टी20 विश्वकप में पाकिस्तान भारत से आठ बार है और एक बार जीता है।

हालांकि, शादाब का यह बयान कई पूर्व खिलाड़ियों को नागवार गुजरा। बताया जा रहा है कि टीम मैनेजर नावीद चीमा के माध्यम से पीसीबी ने शादाब को स्पष्ट संदेश दिया कि वे अपने शब्दों की मर्यादा रखें और दिग्गज खिलाड़ियों के प्रति सम्मान दिखाएं। टेलिकॉम एशिया स्पोर्ट्स ने सूत्रों के हवाले से लिखा कि पीसीबी ने टीम मैनेजर नावीद चीमा के जरिये ऑलराउंडर को यह संदेश दिया कि उन्हें पूर्व महान खिलाड़ियों के खिलाफ कठोर शब्दों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। चीमा ने पीसीबी का मैसेज पढ़ा, जिसमें लिखा था, शादाब प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपनी सीमा से बाहर चले गए थे। सभी पूर्व खिलाड़ी, जिनमें उनके ससुर सकलैन मुश्ताक भी शामिल हैं, पाकिस्तान के सम्मानित महान खिलाड़ी हैं। उन्हें ऐसे शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

कोलंबो में 15 फरवरी को भारत के खिलाफ पाकिस्तान की हार के बाद, पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने टीम प्रबंधन से खराब प्रदर्शन के कारण बाबर आजम, शाहीन अफरीदी और शादाब खान जैसे सीनियर खिलाड़ियों को बाहर करने की मांग की। दूसरी ओर, मोहम्मद यूसुफ ने भी इसी तरह की टिप्पणी करते हुए कहा कि बाबर, शाहीन और शादाब का समय अब खत्म हो चुका है और टीम प्रबंधन को बेंच स्ट्रेंथ आजमाते हुए युवा खिलाड़ियों को प्लेइंग इलेवन में मौका देना चाहिए।

शादाब के ससुर और पूर्व दिग्गज स्पिनर सकलैन मुश्ताक ने भी इस बयान पर असंतोष जताया। उन्होंने कहा, ये अनावश्यक टिप्पणियां थीं। अधिकांश खिलाड़ी मेरे साथ खेले हैं। सच तो यह है कि मैं भी उन खिलाड़ियों में से हूं जिन्होंने आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीती, लेकिन हमने पाकिस्तान के लिए कई बड़े टेस्ट और वनडे मुकाबले जीते। उनका यह बयान दर्शाता है कि वरिष्ठ खिलाड़ियों को शादाब की भाषा पर आपत्ति है। शादाब ने 2023 में सकलैन की बेटी मलायका सकलैन से शादी की थी। पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल ने भी शादाब की टिप्पणी को अनुचित बताया। उन्होंने कहा, श्पूर्व खिलाड़ियों के खिलाफ ऐसे शब्दों का इस्तेमाल सावधानी की मांग करता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि टीम प्रबंधन खिलाड़ियों को मीडिया से बातचीत में संयम बरतने की सलाह दे रहा है। भारत के खिलाफ अहम मुकाबले से पहले दो दिनों तक किसी भी खिलाड़ी को मीडिया के सामने नहीं भेजा गया। अब पाकिस्तान को सुपर–आठ चरण में कड़ी चुनौती का सामना करना है। टीम का अगला मुकाबला न्यूजीलैंड से कोलंबो में होगा। इसके बाद वह इंग्लैंड और श्रीलंका टीम से भिड़ेगी।

बड़े शॉट नहीं, पहले शुरुआत जरूरी, फॉर्म में वापसी के लिए गावस्कर ने दिया अभिषेक शर्मा को गुरु मंत्र

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा टी20 विश्व कप 2026 में खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। उन्होंने अब तक खेले गए तीनों मुकाबलों में खाता तक नहीं खोला है। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि इस 25 वर्षीय खिलाड़ी से उम्मीदें काफी ज्यादा हो सकती हैं और उन्हें शुरुआत में बड़े शॉट खेलने की बजाय अपनी पारी को संवारने पर ध्यान देना चाहिए। सुनील गावस्कर ने 'स्टार स्पोर्ट्स' पर कहा, अभिषेक शर्मा एक अच्छे खिलाड़ी हैं, लेकिन उन पर उम्मीदों का दबाव साफ नजर आ रहा है। अगर उन्होंने यूएसए के खिलाफ अच्छी शुरुआत की होती तो बात अलग होती। अब उनसे लंबे छक्के लगाने और टीम के शीर्ष बल्लेबाज की भूमिका निभाने की अपेक्षा की जा रही है। अपनी शॉट रेंज को देखते हुए उन्हें क्रीज पर समय बिताने की जरूरत है। वह पारी की पहली ही गेंद पर बाउंड्री या छक्का मारने की कोशिश नहीं कर सकते। अगर बड़े शॉट स्वाभाविक रूप से लगते हैं तो ठीक है, लेकिन उन्हें खुद को जबरन बड़े शॉट खेलने के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए। अभिषेक शर्मा की परेशानी यूएसए के खिलाफ गोल्डन डक से शुरू हुई। इसके बाद पाकिस्तान और नीदरलैंड के खिलाफ भी वह खाता नहीं खोल सके। हर बार वह पहले ओवर में ही आउट हो गए। ऐसे में गावस्कर ने स्वाभाविक खेल पर जोर देते हुए कहा, एक सिंगल लेकर शुरुआत करो। चार डॉट गेंदें भी मायने नहीं रखतीं। वह बाद में इसकी भरपाई कर सकते हैं। उन्हें समझदारी से खेलने की जरूरत है।

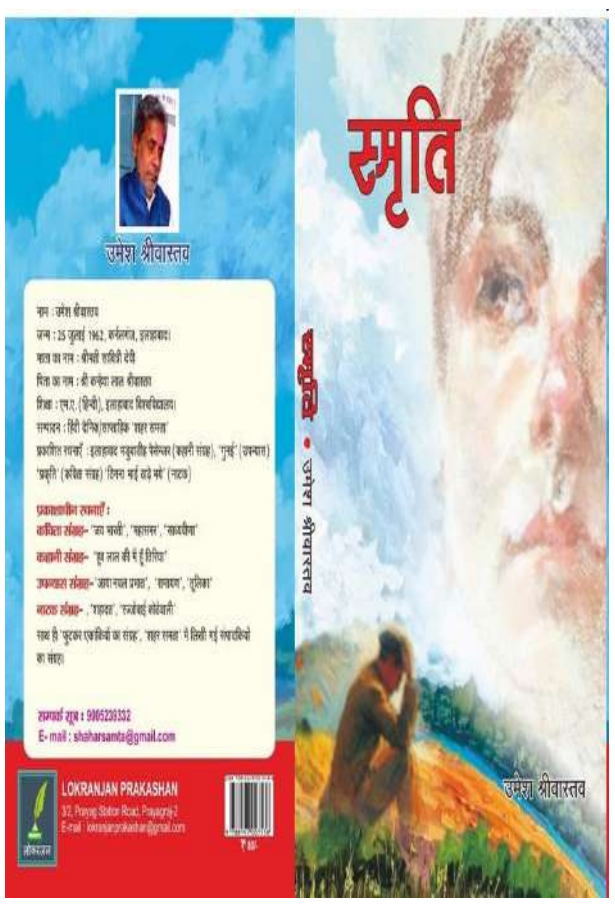

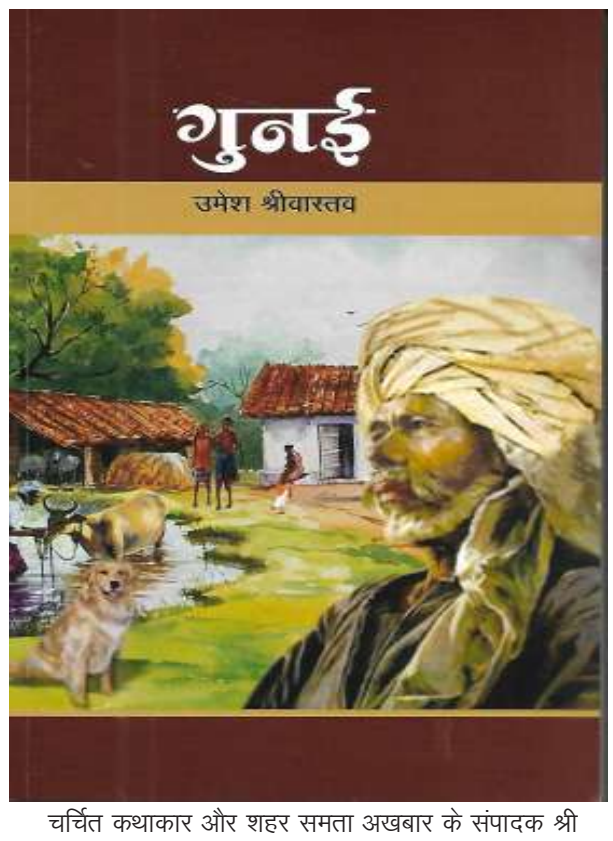

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

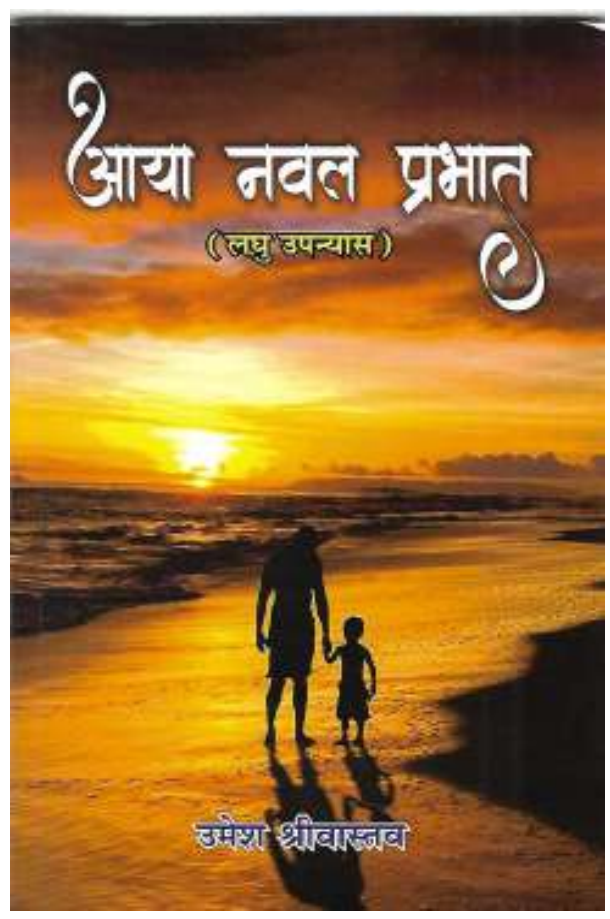

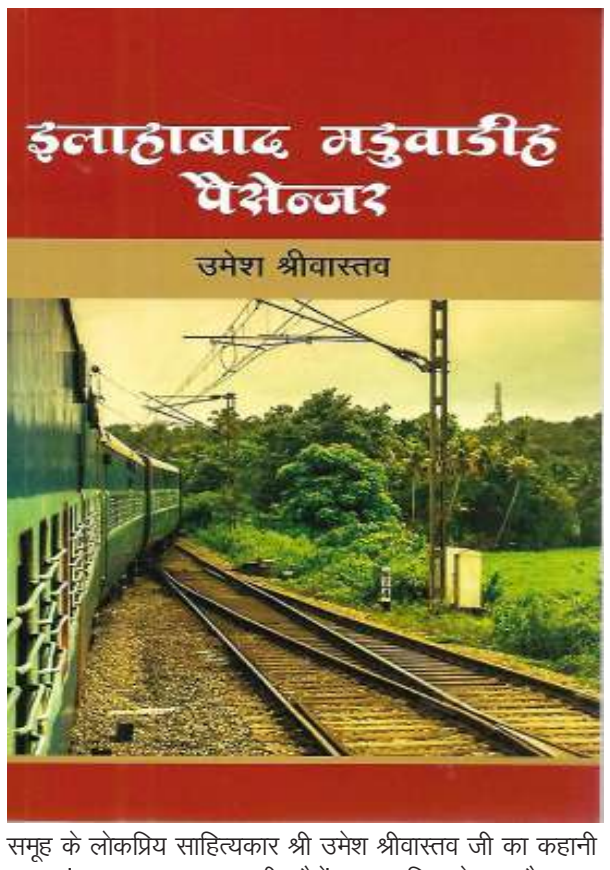

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

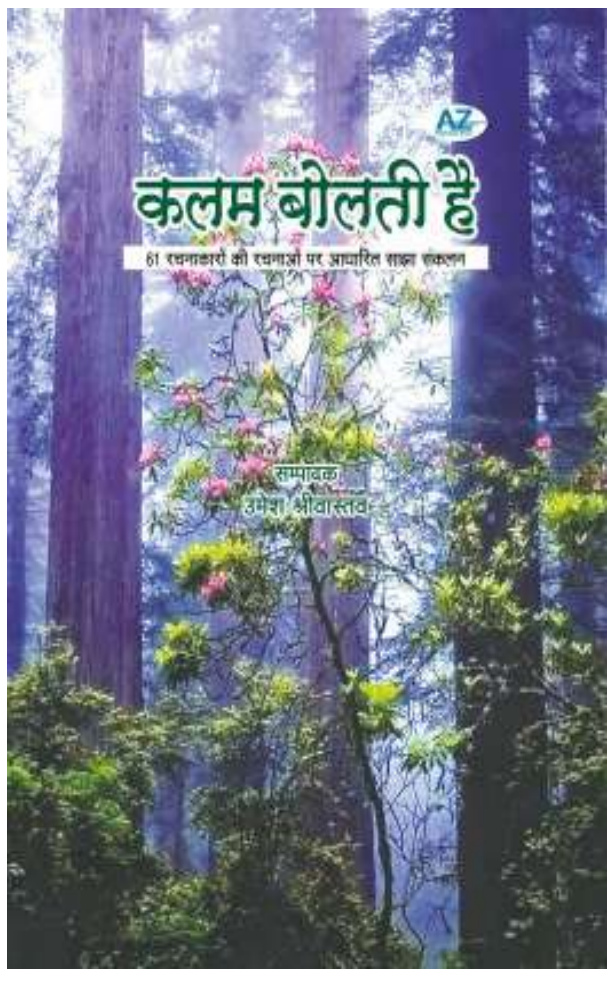

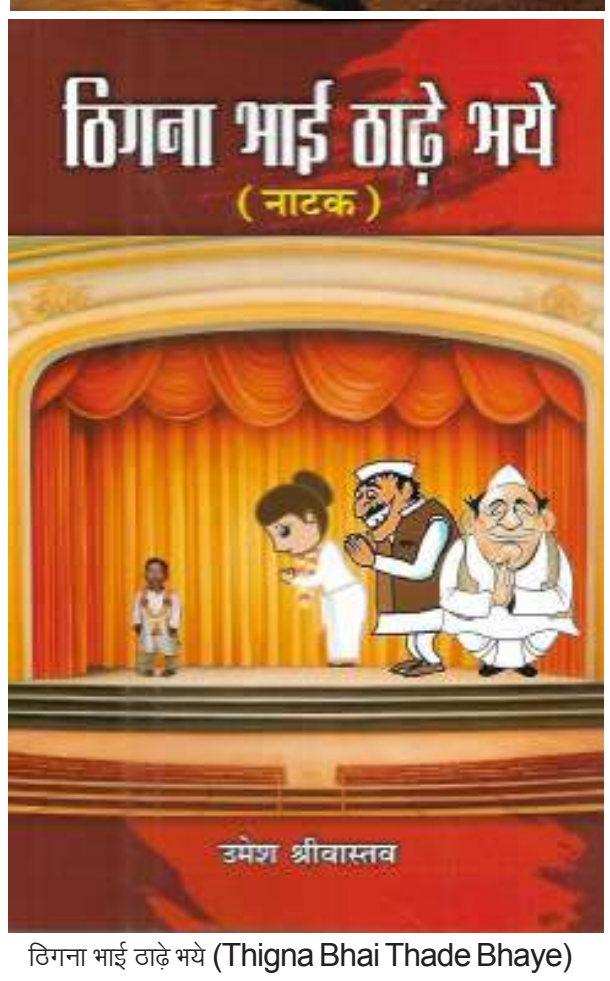

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

खाड़ी में ताकत का प्रदर्शन क्यों?: चेतावनी के बीच ईरान-रूस का संयुक्त अभ्यास शुरू, ट्रंप की सख्ती से बढ़ा तनाव

काहिरा, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव तेज है। एक ओर ट्रंप ने ईरान को परमाणु कार्यक्रम पर समझौते के लिए 10 से 15 दिन का अल्टीमेटम दिया है, दूसरी ओर ईरान और रूस ने ओमान की खाड़ी और उत्तरी हिंद महासागर में संयुक्त नौसैनिक अभ्यास किया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी बढ़ाई जा रही है।

ईरानी सेना की वेबसाइट के अनुसार, ईरान की सेना, इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स और रूस की स्पेशल ऑपरेशन टीमों ने अभ्यास के दौरान कथित हाईजैक किए गए जहाज को छुड़ाने का ऑपरेशन किया। ड्रिल में ईरान का अलवंद डिस्ट्रॉयर, मिसाइल दागने वाले युद्धपोत, हेलीकॉप्टर, लैंडिंग क्राफ्ट, स्पेशल टीम और कॉम्बैट स्पीडबोट शामिल रहे। यह अभ्यास उसी सप्ताह हुआ जब आईआरजीसी ने होर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र में ड्रिल की थी। उस दौरान रणनीतिक जलमार्ग कुछ समय के लिए बंद भी किया गया था। यह मार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए अहम है। संयुक्त अभ्यास को क्षेत्रीय शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। ट्रंप ने एयर फोर्स वन में कहा कि ईरान के पास डील के लिए 10 से 15 दिन हैं, इसके बाद "बहुत बुरी चीजें" हो सकती हैं। पिछले सप्ताह उन्होंने यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड को मिडिल ईस्ट भेजने का आदेश दिया। इससे पहले यूएसएस अब्राहम लिंकन क्षेत्र में मौजूद है। अमेरिकी वायु और नौसैनिक ताकत में हाल के दिनों में बढ़ोतरी हुई है। कुछ रिपोर्टों में दावा है कि वार्ता विफल होने पर हमले की संभावना बढ़ सकती है। एक आकलन में इसे 90 प्रतिशत तक बताया गया। सीमित सैन्य हमले के विकल्प पर भी चर्चा की खबरें हैं, जिनमें परमाणु और मिसाइल ठिकानों को निशाना बनाने की बात कही गई। ऐसे में कूटनीति और सैन्य तैयारी साथ-साथ चल रही हैं और क्षेत्र में तनाव ऊंचा बना हुआ है।

भारत पर भारी टैरिफ के बहाने खोज रहे ट्रंप, अमेरिकी सांसद का दावा, बोले-हो रहा दोहरा बर्ताव

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक वरिष्ठ सांसद ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूसी तेल खरीदने के लिए भारत पर बेतहाशा टैरिफ लगाने के बहाने खोज रहे हैं, जबकि उन्हें तुरंत तेल खरीद से जुड़ी नीति बदलनी चाहिए। सांसद ब्रैड शेरमैन ने बुधवार को सोशल मीडिया पर लिखा, ट्रंप का दावा है कि भारत पर रूसी तेल के आयात के लिए शुल्क लगाया गया था। हंगरी रूस से अपने कच्चे तेल का 90 फीसदी आयात करता है लेकिन उस पर कोई शुल्क नहीं है। उन्होंने कहा कि चीन रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार है, उस पर रूसी तेल खरीद से जुड़े प्रतिबंध नहीं लगाए गए। हालांकि, उस पर अन्य कारणों से कार्रवाई की गई है। प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति और वित्तीय सेवा समिति के वरिष्ठ सदस्य शेरमैन ने कहा कि भारत, रूस से अपने कच्चे तेल का सिर्फ 21 फीसदी आयात करता है, लेकिन हमारे सहयोगी को निशाना बनाया गया। ट्रंप भारत पर बेतहाशा शुल्क लगाने के बहाने ढूंढ रहे हैं। उन्हें यह नीति तुरंत बदलनी चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर टैरिफ को गेमचेंजर बताते हुए दावा किया कि अमेरिका के व्यापार घाटे में 78 फीसदी की भारी कमी आई है। उन्होंने इस बदलाव का श्रेय विभिन्न कंपनियों और देशों पर लगाए गए टैरिफ को दिया और इसे कई दशकों में पहली उपलब्धि करार दिया। सोशल मीडिया में बुधवार को यह जानकारी देते हुए ट्रंप ने कहा कि इस साल के अंत तक अमेरिका का व्यापार सकारात्मक स्थिति में पहुंच जाएगा। हालांकि, राष्ट्रपति के दावों के उलट आंकड़े कुछ और कहानी बयां कर रहे हैं। पिछले साल नवंबर में अमेरिका का व्यापार घाटा फिर से बढ़कर 56.8 अरब डॉलर पर पहुंच गया था, जो उससे पिछले महीने की तुलना में करीब 95 फीसदी अधिक था। इस दौरान निर्यात 3.6 फीसदी घटकर 292.1 अरब डॉलर रह गया।

अमेरिका के नेतृत्व वाले पैक्स सिलिका में भारत शामिल, रणनीतिक रिश्ते होंगे और मजबूत

एजेंसी/भारत ने अमेरिकी- नेतृत्व वाली पैक्स सिलिका पहल में शामिल होकर वैश्विक सेमीकंडक्टर-एआई इंफ्रास्ट्रक्चर सप्लाई चेन की रणनीतिक दौड़ में नई दिशा दे दी है। ट्रंप प्रशासन की इस पहल का उद्देश्य सिलिकॉन-आधारित तकनीकों की आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित और विविधीकृत करना है। नई दिल्ली में चल रहे इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में औपचारिक रूप से इस साझेदारी का ऐलान कर दिया गया, जिससे अमेरिका को उन्नत चिप्स और एआई हार्डवेयर की वैश्विक पहुंच तय करने की प्रतिस्पर्धा में अब तक की सबसे बड़ी कूटनीतिक सफलता मिली है। पैक्स सिलिका ट्रंप प्रशासन की वह रणनीतिक पहल है, जिसका लक्ष्य वैश्विक स्तर पर सिलिकॉन-आधारित तकनीकों विशेषकर उन्नत सेमीकंडक्टर और एआई हार्डवेयर की आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित बनाना है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

क्या एलियन सच में हैं?: अब खुलेंगे यूएफओ और एरिया 51 से जुड़े सारे राज! ओबामा के दावे के बाद ट्रंप का बड़ा फैसला

वाशिंगटन, एजेंसी। क्या एलियंस सच में धरती पर आते रहते हैं? इन सवालों पर अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक ऐसी घोषणा की है जिसने पूरी दुनिया में हलचल मचा दी। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के एलियंस के अस्तित्व को लेकर किए गए दावों के बाद ट्रंप ने अब एलियंस और अनआइडेंटिफाइड फ्लाइंग ऑब्जेक्ट्स (UFO) से जुड़ी तमाम सरकारी फाइलों को सार्वजनिक करने का आदेश दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों की इस विषय में गहरी दिलचस्पी को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया ट्रुथ सोशल पर पोस्ट में कहा कि वह पेंटागन प्रमुख पीट हेगसेथ और अन्य एजेंसियों को

यह जानकारी सार्वजनिक करने का निर्देश देंगे। उन्होंने इस मामले को बेहद दिलचस्प और महत्वपूर्ण बताया। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, ष्इस मुद्दे पर लोगों की भारी दिलचस्पी को देखते हुए पेंटागन प्रमुख पीट हेगसेथ और अन्य सरकारी एजेंसियों को निर्देश दे रहे हैं कि वे एलियंस, अनआइडेंटिफाइड एरियल फेनोमेना (UAP) और UFO से जुड़ी फाइलों को पहचानने और उन्हें रिलीज करने की प्रक्रिया शुरू करें। इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा पर गंभीर आरोप लगाए। ट्रंप ने बिना कोई सबूत दिए कहा कि ओबामा ने एलियन के बारे में सार्वजनिक रूप से बात करके गोपनीय जानकारी को गलत तरीके से उजागर किया है। ट्रंप ने कहा कि ओबामा ने एक बड़ी गलती की है। ट्रंप ने सुझाव दिया कि अगर ओबामा की टिप्पणी खुफिया जानकारी पर आधारित थी, तो यह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी संवेदनशील जानकारी को उजागर करने जैसा हो सकता है। हालांकि, उन्होंने अपने आरोप के समर्थन में किसी विशेष गोपनीय सामग्री या सबूत का हवाला नहीं दिया। जॉर्जिया जाते समय ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, ष्उन्होंने इसे गोपनीय जानकारी से बाहर निकाला, उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था। शनिवार को जारी एक पॉडकास्ट में होस्ट ब्रायन टायलर कोहेन ने ओबामा से पूछा था कि क्या एलियन असली हैं। इस पर ओबामा ने कहा, ष्वे असली हैं, लेकिन मैंने उन्हें नहीं देखा है, और उन्हें एरिया 51 में नहीं रखा गया है। वहां कोई भूमिगत सुविधा नहीं है, जब तक कि कोई बहुत बड़ी साजिश न हो और उन्होंने इसे अमेरिका के राष्ट्रपति से छिपाया हो। बाद में ओबामा ने इंस्टाग्राम पर स्पष्ट किया कि इतने बड़े ब्रह्मांड में इस बात की संभावना अधिक है कि कहीं और भी जीवन हो। लेकिन सौर मंडलों के बीच की दूरी इतनी ज्यादा है कि एलियन के हम तक आने की संभावना कम है। उन्होंने यह भी साफ किया कि उनके राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान एलियन के संपर्क करने का कोई सबूत नहीं मिला।

वैश्विक मंच पर खुली पाक की पोल: अमेरिका में पीएम शहबाज को पीछे धकेले गए,रक्षा मंत्री बोले- आसिम मुनीर बॉस नहीं

वॉशिंगटन, एजेंसी। एक बार फिर वैश्विक मंत्र पर पाकिस्तान की बेइज्जती हुई है। दरअसल, वॉशिंगटन में बोर्ड ऑफ पीस की पहली बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम मोदी की तारीफ में कसीदे पढ़े। लेकिन इस दौरान जो घटनाक्रम हुआ, उससे पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ एक बार फिर जलील हुए। पीएम मोदी की तारीफ करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा- वे मेरे बेहतरीन दोस्त हैं। हालांकि इस मौके पर ट्रंप एक बार फिर भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने का श्रेय लेते नजर आए। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने हमारे चीफ ऑफ स्टाफ के सामने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और हमारे बीच युद्ध रोककर 2 करोड़ लोगों की जान बचाई। युद्ध भयंकर था। विमानों मार गिराए जा रहे थे। बकौल ट्रंप, श्मैंने दोनों (पीएम मोदी

और शहबाज शरीफ) से फोन पर बात की। मैं प्रधानमंत्री मोदी को बहुत अच्छी तरह जानता था... मैंने उन्हें फोन किया और कहा, अगर दोनों देश इस मामले को नहीं सुलझाते तो अमेरिका कोई व्यापारिक समझौता नहीं करेगा... मैंने कहा, अगर दोनों देश लड़ते रहे तो मैं दोनों देशों पर 200 प्रतिशत टैरिफ लगा दूंगा। दोनों ही लड़ना चाहते थे, लेकिन जब पैसे और भारी नुकसान की बात आई, तो उन्होंने कहा कि हम लड़ना नहीं चाहते... पैसा ही सब कुछ होता है। टकराव के दौरान 11 लड़ाकू जेट मार गिराए गए। ये बहुत महंगे जेट विमान हैं। बता दें कि, इस बैठक में भारत ने पर्यवेक्षक देश के रूप में हिस्सा लिया। ट्रंप ने गाजा में युद्धविराम की निगरानी और हमास-इस्राइल के बीच युद्ध से तबाह हुए गाजा पट्टी के पुनर्निर्माण के लिए इस संस्था का गठन किया है। वहीं, एक साक्षात्कार के दौरान पाकिस्तानी रक्षा मंत्री आसिफ ख्वाजा ने पाकिस्तान सरकार में सेना के दखल को लेकर बातचीत की है। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान में सेना और सरकार एक हाइब्रिड व्यवस्था के तहत काम करती है। इस दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या आसिम मुनीर उनके बॉस हैं? इससे इनकार करते हुए ख्वाजा आसिफ ने कहा कि श्वे मेरे बॉस नहीं हैं, मेरे बॉस प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ हैं।श इस दौरान उन्होंने ये भी कहा कि पाकिस्तान का इतिहास सरकार पर सेना के नियंत्रण का रहा है।

शांति बोर्ड में चीन-रूस को भी शामिल करना चाहते हैं ट्रंप, दुनिया की राजनीति में नई हलचल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शांति बोर्ड की उद्घाटन बैठक आयोजित करते हुए, इसमें चीन और रूस को शामिल करने की अपनी इच्छा व्यक्त की। इस बोर्ड की पहली बैठक वॉशिंगटन डीसी में हुई, जिसमें 40 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि ा शामिल हुए। ट्रंप ने कहा कि वे चाहते हैं कि चीन और रूस भी इस बोर्ड में शामिल हों। दोनों देशों को न्योता भेज दिया गया है, लेकिन अभी तक उन्होंने शामिल होने पर कोई फैसला नहीं किया है। ट्रंप ने यह भी बताया कि उनकी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं और वे अप्रैल में चीन का दौरा करने वाले हैं। ट्रंप ने कहा कि यह नया शांति बोर्ड संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के कामकाज पर भी नजर रखेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि वह सही तरीके से काम करे। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका यूएन को आर्थिक मदद देगा ताकि उसकी हालत मजबूत हो सके। इसके साथ ही बैठक में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि अमेरिका इस शांति बोर्ड के काम के लिए 10 अरब डॉलर देगा। शुरुआत में यह शांति बोर्ड गाजा पट्टी के पुनर्निर्माण और शांति प्रयासों पर ध्यान देगा। वहीं, बोर्ड ऑफ पीस की बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा, पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने हमारे चीफ ऑफ स्टाफ के सामने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और हमारे बीच युद्ध रोककर 2 करोड़ लोगों की जान बचाई। युद्ध भयंकर था, विमानों को मार गिराया जा रहा था। बकौल ट्रंप ने कहा, श्मैंने दोनों (पीएम मोदी और शहबाज शरीफ) से फोन पर बात की। मैं प्रधानमंत्री मोदी को बहुत अच्छी तरह जानता था. ..श मैंने उन्हें फोन किया और कहा, अगर दोनों देश इस मामले को नहीं सुलझाते तो अमेरिका कोई व्यापारिक समझौता नहीं करेगा.. . मैंने कहा, अगर दोनों देश लड़ते रहे तो मैं दोनों देशों पर 200 प्रतिशत टैरिफ लगा दूंगा। दोनों ही लड़ना चाहते थे, लेकिन जब पैसे और भारी नुकसान की बात आई, तो उन्होंने कहा कि हम लड़ना नहीं चाहते... पैसा ही सब कुछ होता है। टकराव के दौरान 11 लड़ाकू विमान मार गिराए गए, ये बहुत महंगे जेट विमान थे।

नेपाल चुनाव में राजनीतिक दलों ने जारी किए घोषणा पत्र, पड़ोसी देशों से मैत्रीपूर्ण संबंधों का वादा

काठमांडू , एजेंसी। 5 मार्च को होने वाले आम चुनावों से पहले नेपाल की तीन प्रमुख राजनीतिक पार्टियों नेपाली कांग्रेस (एनसी), नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यू) और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने गुरुवार को अपने-अपने चुनावी घोषणा पत्र जारी किए। तीनों दलों ने पड़ोसी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण और संतुलित संबंधों पर जोर दिया है। जहां पारंपरिक दल एनसी और यूएमएल की विदेश नीति उनके पूर्व शासन अनुभव के आधार पर जानी-पहचानी है, वहीं अगली सरकार का नेतृत्व करने की आकांक्षा रखने वाली आरएसपी की विदेश नीति को लेकर खास उत्सुकता थी। पार्टी ने पूर्व काठमांडू महानगरपालिका मेयर बालेन शाह को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया है। आरएसपी ने अपने घोषणा पत्र में श्संतुलित और गतिशील कूटनीतिश अपनाने की बात कही है। पार्टी ने नेपाल को श्बफर स्टेटश से श्सक्रिय सेतुश (वाइब्रेंट ब्रिज) में बदलने का संकल्प जताया है। इसके तहत त्रिपक्षीय आर्थिक साझेदारी और क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा देने की योजना है, विशेष रूप से भारत और चीन जैसे पड़ोसी देशों के साथ। पार्टी ने माना कि नेपाल में भारत और चीन के रणनीतिक हित हैं और वैश्विक शक्ति संतुलन में बदलाव हो रहा है। ऐसे में नेपाल को सक्रिय और लचीली कूटनीतिक नीति अपनानी चाहिए, ताकि वह बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य और पड़ोसी अर्थव्यवस्थाओं के उदय से लाभ उठा सके। आरएसपी ने पिछले दशक में भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, उच्च गुणवत्ता वाली भौतिक परियोजनाओं, अर्थव्यवस्था के औपचारिककरण और औद्योगिक-सेवा क्षेत्र समन्वय में हुई प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि नेपाल दक्षिणी पड़ोसी के अनुभव से लाभ ले सकता है। साथ ही, चीन के साथ रियायती वित्तपोषण के जरिए विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, राज्य-निर्देशित विकास योजना और अंतर-प्रांतीय प्रतिस्पर्धा के मॉडल से सीखने पर भी जोर दिया गया है। एनसी ने अपने घोषणा पत्र में कहा कि उसकी विदेश नीति के तहत नेपाल किसी भी रक्षा, सैन्य या सुरक्षा संघर्ष का हिस्सा नहीं बनेगा और न ही प्रमुख शक्तियों के बीच बढ़ती रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में शामिल होगा। पार्टी ने समानता के आधार पर सभी देशों के साथ मित्रता बनाए रखने के अपने पुराने सिद्धांत को दोहराया। पार्टी ने कहा, श्हमारे पड़ोसी और मित्र देशों के साथ संबंध समानता और पारस्परिक सम्मान पर आधारित होंगे तथा पारस्परिक लाभ और आर्थिक साझेदारी के आधार पर आगे बढ़ाए जाएंगे।श पार्टी ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय हित सर्वोपरि रहेगा। सीपीएन-यूएमएल ने भी अपनी लंबे समय से चली आ रही विदेश नीति श्सबसे मित्रता, किसी से शत्रुता नहींश को दोहराया। पार्टी ने पड़ोसी मित्र देशों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध और सहयोग को मजबूत करने तथा व्यापक अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ जुड़ाव बढ़ाने का संकल्प जताया।

यूएमएल ने कहा कि उसके नेतृत्व में नेपाल किसी भी पड़ोसी के प्रति दुर्भावना नहीं रखेगा और ऐसा कोई कदम नहीं उठाएगा जिससे उनके हितों को नुकसान पहुंचे। आगामी चुनावों में विदेश नीति, क्षेत्रीय संतुलन और पड़ोसी देशों के साथ संबंध प्रमुख मुद्दों में शामिल होते दिख रहे हैं।

ईरान ने रूस के साथ किया युद्ध अभ्यास, पश्चिम एशिया के करीब पहुंचा अमेरिका का विमानवाहक पोतय तनाव बढ़ा

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने गुरुवार को रूस के साथ वार्षिक सैन्य युद्ध अभ्यास किया। यह युद्ध अभ्यास ऐसे समय में हुआ है, जब अमेरिकी विमानवाहक पोत पश्चिम एशिया के करीब पहुंच रहा है। अमेरिका और ईरान दोनों ने संकेत दिए हैं कि अगर तेहरान के परमाणु कार्यक्रम पर वार्ता विफल हुई, तो वे युद्ध के लिए तैयार हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह ईरान के साथ समझौता की उम्मीद कर रहे हैं, लेकिन वार्ता वर्षों से ठप हैं। वहीं, ईरान ने अमेरिका और इस्राइली मांगों पर चर्चा करने से इनकार किया है। अमेरिका और इस्राइल की मांग है कि ईरान अपने मिसाइल कार्यक्रम में कटौती करे और सशस्त्र समूहों से अपने संबंध तोड़ने होंगे। हाल के हफ्तों में हुई अप्रत्यक्ष वार्ता में कोई खास प्रगति नहीं हुई। इसकी भी आशंका है कि इस समय का इस्तेमाल दोनों पक्ष युद्ध की अंतिम तैयारी के लिए कर रहे हैं। पिछले साल इस्राइल और अमेरिका के साथ 12 दिनों तक संघर्ष और जनवरी में बड़े प्रदर्शनकारियों को हिंसक रूप से दबाने के बाद ईरान सरकार पहले से अधिक कमजोर हो गई है। फिर भी यह इस्राइल और अमेरिका के ठिकानों पर हमला करने में सक्षम है और उसने चेतावनी दी है कि कोई भी हमला क्षेत्रीय युद्ध को जन्म देगा। ईरान ने इस हफ्ते हॉर्मुज की खाड़ी में लाइव-फायर युद्धाभ्यास किया। यह फारस की खाड़ी का संकीर्ण मार्ग है, जिससे विश्व के व्यापारिक तेल का एक-पांचवां हिस्सा गुजरता है। ईरान के अंदर भी तनाव बढ़ रहा है। ईरान में जिन प्रदर्शनकारियों को सुरक्षा बलों ने मारा था, उनकी मौत के 40 दिन पूरे होने पर शोक सभाएं आयोजित की जा रही हैं। कुछ सभाओं में सरकार के खिलाफ नारे भी लगे। हालांकि अधिकारियों ने चेतावनी भी दी है। अमेरिका ने और भी युद्धपोत और विमान तैनात किए हैं और यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड नाम का विमानवाहक पोत भूमध्य सागर के मुहाने के पास है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि अमेरिका ईरान पर जरूर हमला करेगा। लेकिन इतनी बड़ी सेना और जहाजों के आने से ट्रंप के पास हमला करने की क्षमता ज्यादा मजबूत हो गई है। अगर वे चाहें तो हमला कर सकते हैं। ट्रंप ने अब तक ईरान पर हमला करने का आदेश नहीं दिया है।

नेपालः सुशीला कार्की ने चेताया, असंतोष दूर नहीं किया तो फिर होगा विद्रोह, कहा-लोकतंत्र में होनी चाहिए जवाबदेही

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने चेतावनी दी कि यदि युवाओं के असंतोष को समय रहते दूर नहीं किया गया तो देश में एक और विद्रोह भड़क सकता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का अर्थ केवल वोट देना नहीं, बल्कि नागरिकों के अधिकारों की रक्षा और जवाबदेही सुनिश्चित करना भी है। काठमांडो में 76वें लोकतंत्र दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कार्की ने युवाओं के आक्रोश और आगामी चुनावों पर बेबाकी से अपनी बात रखी।

बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद प्रधानमंत्री ने कहा कि 2007 की क्रांति ने नेपालियों को रैती (प्रजा) से नागरिक बनाया था। हालांकि, आज हमें खुद की समीक्षा करने की जरूरत है। उन्होंने सवाल उठाया कि लोकतंत्र की स्थापना के दशकों बाद भी नेपाल को बार-बार आंदोलनों का सामना क्यों करना पड़ रहा है। क्यों आज की नई पीढ़ी (जेन-जी) को सड़कों पर उतरना पड़ा। कार्की ने स्वीकार किया कि हमने संविधान में सुंदर शब्द तो लिखे लेकिन लोकतांत्रिक व्यवहार को संस्थागत नहीं कर पाए।

प्रतिनिधि सभा के चुनावों का उल्लेख करते हुए कार्की ने देश को भरोसा दिलाया कि सरकार निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान के लिए पूरी ऊर्जा लगा रही है। पूर्व राजा ने की चुनाव स्थगित करने की अपील पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह ने नेपाल में जनता के बीच असंतोष का हवाला देते हुए चुनाव स्थगित करने की अपील की है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।